19 अप्रैल 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

मुर्शिदाबाद की घटना पर बोले शाहनवाज... हमारी कौम किसी के बहकावे में नहीं आए

2

भगवद गीता, नाट्यशास्त्र के यूनेस्को 'मेमोरी ऑफ वर्ल्ड' में शामिल, पीएम ने कहा गर्व की बात

किया स्वागत

एजेंसी/नई दिल्ली

यूनेस्को ने भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर में शामिल किया है, जो भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे भारत की प्राचीन ज्ञान और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर मिली पहचान बताया है। यह कदम इन महत्वपूर्ण धरोहर ग्रंथों को सुरक्षित रखने में मदद करेगा।ई दिल्लीः भारत के लिए एक बड़ी खबर है। यूनेस्को ने भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड (रजिस्टर में शामिल किया है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी प्राचीन ज्ञान और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान है। यूनेस्को का मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर दुनिया की महत्वपूर्ण दस्तावेजी धरोहरों को बचाने और उन्हें हमेशा के लिए उपलब्ध कराने की एक कोशिश है। इस लिस्ट में शामिल होने से अतीत के इन धरोहर ग्रंथों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

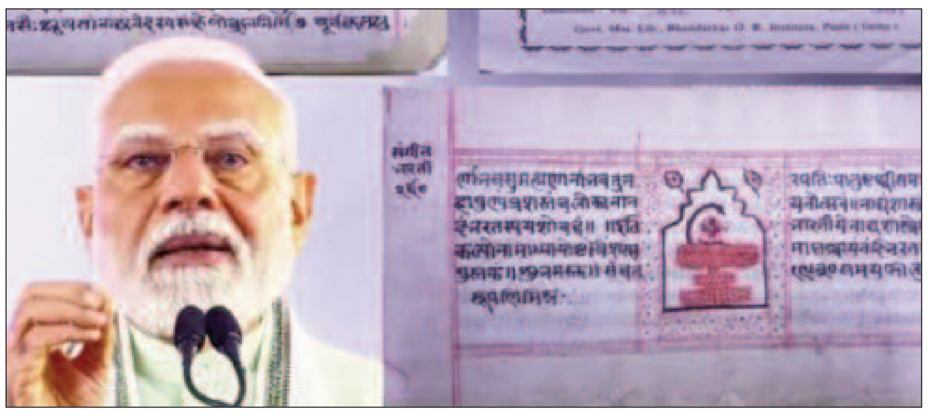

कालातीत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति का पोषणः भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किए जाने पर पीएम मोदी ने खुशी जताते हुए पर लिखा कि भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल करना, 'हमारी कालातीत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता' है। यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्मग्रंथों ने सदियों से सभ्यता और चेतना को पोषित करने का काम किया।अब जानना दिलचस्प है कि यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर क्या है। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो दुनिया की दस्तावेजी विरासत को बचाने और उसके संरक्षण के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह विरासत हमेशा के लिए उपलब्ध रहे। इसे 1992 में शुरू किया गया था। इसका मकसद ऐतिहासिक लिखित धरोहरों को विस्मृति से बचाना और दुनिया भर में मूल्यवान अभिलेखीय होल्डिंग्स और पुस्तकालय संग्रहों को संरक्षित करना है।

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' की निगरानी : यूनेस्को की वेबसाइट पर बताया गया है कि दुनिया की दस्तावेजी विरासत सभी की है, इसे पूरी तरह से संरक्षित और सभी के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए। सांस्कृतिक मूल्यों और व्यवहारिकताओं को ध्यान में रखते हुए, यह बिना किसी बाधा के सभी के लिए हमेशा उपलब्ध होनी चाहिए। इस कार्यक्रम की योजना और इसकी देखरेख एक अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति करती है। आईएसी में 14 सदस्य होते हैं। इनकी नियुक्ति यूनेस्को के महानिदेशक करते हैं।

गीता और नाट्यशास्त्र को क्यों चुना गया

प्रश्न उठता है कि भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को इसके लिए क्यों चुना गया। आपकों बता दें कि भगवद गीता के 18 अध्यायों में 700 श्लोक हैं। यह महाभारत काल का एक अनुपम हिंदू धर्मग्रंथ है। यह वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे प्राचीन भारतीय धार्मिक विचारों का मिश्रण है। यह कर्तव्य, ज्ञान और भक्ति के महत्त्व पर आधारित है। यह मनुष्य को उसके जीवन जीने के कारणों को बताता है। भगवद गीता को सदियों से पूरी दुनिया में पढ़ा गया है और कई भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। हर किसी के जीवन में अंधेरा से उजाला में ले जाने वाला ग्रंथ इसे माना जाता है। यूं कह लें कि यूनेस्को ने अभूतपूर्व देरी से ही सही, एक बहुत ही उचित दिशा में पहल की है। दूसरी ओर, भरत मुनि का नाट्यशास्त्र प्रदर्शन कलाओं का वर्णन करने वाले संस्कृत काव्य छंदों का संग्रह है। इसमें नाट्य (नाटक), अभिनय, रस (सौंदर्य अनुभव), भाव (भावना), संगीत आदि को परिभाषित करने वाले नियमों का एक व्यापक दृष्टिकोण हैं। यह कलाओं पर एक प्राचीन विश्वकोश ग्रंथ है। यह भारतीय रंगमंच, काव्यशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र, नृत्य और संगीत को प्रेरित करता है। ये दोनों ग्रंथ लंबे समय से भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के मूल आधार को बताते रहे हैं।

बड़े टेलीविजन के साथ लगभग 600 जागरुकता वाहन का किया जा रहा प्रयोग

सीएम नीतीश ने किया 'महिला संवाद' का शुभारंभ, 70 हजार जगहों पर पहुंचेगा संदेश

♦ मुख्यमंत्री द्वारा सभी माताओं, बहनों, बेटियों को संबोधित किये गये पत्र का विमोचन भी किया

एजेंसी/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 'महिला संवाद' का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा सभी माताओं, बहनों, बेटियों को संबोधित किये गये पत्र का विमोचन भी किया गया। महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं-कार्यों के विषय में महिलाओं को जानकारी प्रदान किया जायेगा। साथ ही महिलाओं को अपने गांव या टोलों की समस्याओं और आकांक्षाओं को चिह्नित कर उसकी प्राथमिकता निर्धारण करने हेतु अवसर प्रदान किया जायेगा। संवाद के दौरान प्राप्त समस्याओं का विभिन्न स्तरों पर त्वरित समाधान किया जायेगा। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सरकार की योजनाओं के सूत्रण एवं नीति-निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के लिये महिला संवाद जागरूकता वाहनों को एक अणे मार्ग से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता वाहन की चारों तरफ से ब्रांडिंग की गयी है। इससे गांव में कार्यक्रम करने के दौरान या एक गांव से दूसरे गांव में जागरूकता वाहन की आवजाही के दौरान सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण से संबंधित किये गये कार्यों के प्रति आम लोगों का ध्यान आकृष्ट होगा।

कार्यक्रम में महिला संवाद से संबंधित एक वीडियो फिल्म प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी जुड़े हुये थे।

ज्ञातव्य है कि प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिया गया था कि जिले के सभी गांवों में योजनाओं की स्थिति की जानकरी लेने एवं समस्याओं का निदान करने हेतु वरीय पदाधिकारियों को स्थल पर भेजा जाए। इसी क्रम में महिला संवाद का आयोजन किया जा रहा है जहां वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में समुदाय की समस्याओं पर चर्चा होगी। स्थल पर जाकर वरीय पदाधिकारी वहां की समस्याओं से अवगत होंगे एवं उसका समाधान भी करेंगे। राज्य के सभी गांवों में महिला संवाद का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम लगभग 70 हजार स्थानों पर होगा जिसमें 02 करोड़ से अधिक महिलाएं भाग लेंगी। इस कार्यक्रम में गांव की सभी महिलाओं को बुलाया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए जितने कार्य किए गए हैं, उन सभी बातों की जानकारी दी जाएगी तथा योजनाओं के बारे में जागरुकता फैलायी जाएगी। सरकार द्वारा किए गए कार्यों को वीडियो फिल्म के माध्यम से दिखाया जाएगा। इसके लिए हर कार्यक्रम स्थल पर जागरुकता वाहन तैनात किया जाएगा जिसमें बड़े टीवी स्क्रीन पर वीडियो फिल्म दिखाई जाएगी। बड़े टेलीविजन के साथ लगभग 600 जागरुकता वाहन का प्रयोग किया जा रहा है।

आगे किस प्रकार की योजनाओं की जरुरत है इस पर भी चर्चा की जाएगी एवं सुझाव प्राप्त किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सुझावों एवं अपेक्षाओं को संकलित किया जाएगा। संकलित सुझावों एवं अपेक्षाओं को प्रखंड इकाई द्वारा जिला इकाई को भेजा जाएगा। जो अपेक्षाएं जिला स्तर पर पूर्ण की जा सकती हैं या जिनका समाधान किया जा सकता है, उन्हें तत्काल कार्रवाई हेतु संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा। जिन अपेक्षाओं को विभाग स्तर से पूरा किया जा सकता है उन्हें संबंधित विभागों को भेजा जाएगा। जो अपेक्षाएं नीतिगत विषय से संबंधित हैं उन्हें सरकार के समक्ष आवश्यक निर्णय हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। ग्रामीण विकास के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने महिला संवाद के संबंध में मुख्यमंत्री के समक्ष एक प्रस्तुतीकरण दिया।

छतरपुर में ट्रक ने युवक और चार बच्चों को मारा टक्कर तीन की मौके पर मौतें

एजेंसी/छतरपुर

जिले से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को कुचला दिया। जिसमें 3 की मौत मौके पर हो गई और 2 लोग घायल हो गए। हादसे में बाइक चालक ट्रक के नीचे कई घंटे दबा रहा। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को जिला हॉस्पिटल भेजा गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। बता दें कि सभी लोग एक ही बाइक पर सवार थे। वहीं, पुलिस ने ट्रक को जब्त कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे बाइक सवार: जानकारी के मुताबिक, घटना बमीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवगांव के पास ओटापुरवा की है। भैरा गांव निवासी मिजाजी लाल अहिरवार 4 बच्चों के साथ ओटापुरवा में ललता अहिरवार के यहां निमंत्रण में आए थे। पांचों कार्यक्रम के बाद बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे देवगांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया। हादसे में पिता मिजाजी लाल अहिरवार और दो बच्चों शिवम (2 वर्ष) और भावना (3 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि दो बच्चे बादल (6 वर्ष) और काजल (5 वर्ष) घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस के जरिए तत्काल जिला अस्पताल भेजा। घटना इतनी दर्दनाक थी कि देखने वालों के रोंगटे खड़े हो गए। कई घंटे बाइक चालक ट्रक के पहिया के नीचे ही दवा रहा। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 8 बजे की है।

पुलिस ने ट्रक को जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इधर ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और ट्रक चालक पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। जब मामले में बमीठा टीआई आशुतोष श्रोती से बात हुई तो उन्होंने बताया कि एक ही बाइक पर 5 लोग सवार थे। ट्रक हाइवे साइड से आ रहा था. जिसने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में 2 बच्चों और पिता की मौत हो गई। परिवार निमंत्रण में शामिल होकर वापस घर जा रहा था। ट्रक को जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है।

गोधरा में ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, पिता समेत 3 नाबालिग बेटियों की मौके पर ही मौत

गोधरा। गुजरात के पंचमहल जिले के गोधरा कस्बे के पास शुक्रवार को एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें 36 वर्षीय एक व्यक्ति और उसकी तीन नाबालिग बेटियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना अपराह्न करीब 1 बजे गोधरा बाईपास रोड पर हुई, जिसमें व्यक्ति की तीन वर्षीय चौथी बेटी चमत्कारिक रूप से बच गई। गोधरा तालुका पुलिस थाने के निरीक्षक पी के असोदा ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक का अज्ञात चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से भाग गया। उन्होंने बताया कि राजेंद्र सिंह चौहान (36) अपनी चार नाबालिग बेटियों (3, 9, 12 और 13 साल) के साथ अपनी बाइक पर पंचमहल के घोघंबा तालुका में अपने पैतृक स्थान से सारंगपुर जा रहे थे, तभी एक ट्रक ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। असोदा ने बताया कि चौहान और उनकी तीन बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चौथी बेटी दुर्घटना में घायल हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि अज्ञात ट्रक चालक को पकड़ने के प्रयास जारी हैं, जो अपना वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

असम पंचायत चुनाव में 348 सीटों पर निर्विरोध फैसला

एजेंसी/नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को दावा किया कि असम में पंचायत प्रणाली की कुल 348 सीटों पर निर्विरोध फैसला हुआ। जिनमें से 325 सीटें भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली के लिए मतदान दो चरणों में 2 मई और 7 मई को होना है। सीएम सरमा ने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 18 अप्रैल है।

उन्होंने एक चार्ट साझा करते हुए दावा किया है कि अब तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, एनडीए ने पहले ही 37 जिला परिषद (35 भाजपा और 2 एजीपी) और 288 आंचलिक पंचायत (259 भाजपा और 29 एजीपी) सीटें निर्विरोध जीत ली हैं। उन्होंने जो चार्ट साझा किया है, उसके अनुसार 15 आंचलिक परिषद सीटें निर्विरोध जीती हैं, कांग्रेस ने नौ और एआईयूडीएफ ने एक सीट जीती है। सीएम सरमा ने कहा कि यह असम के राजनीतिक इतिहास में एक विशाल और अभूतपूर्व जनादेश है। यह एनडीए और हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति असम के लोगों के असीम विश्वास और अपार प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि जब अंतिम चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे, तो यह संख्या और भी प्रभावशाली होगी। एनडीए असम में पंचायत चुनावों में जीत हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं इस मामले में राज्य चुनाव आयोग ने कहा कि निर्विरोध सीटों की संख्या शनिवार को जारी की जाएगी।

वक्फ की 80 प्रतिशत जमीन पर सरकार का कब्जा: मौलाना कल्बे

एजेंसी/लखनऊ

लखनऊ में शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने वक्फ कानून में किए जा रहे बदलावों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि सरकार इस कानून के जरिए वक्फ की जमीनों पर स्थायी कब्जा करना चाहती है। मौलाना ने कहा कि यह कानून सिर्फ मुसलमानों की नहीं, बल्कि हर धर्म की वक्फ संपत्तियों के लिए खतरा है। उन्होंने लखनऊ के इंद्रा भवन और जवाहर भवन का ज़िक्र करते हुए बताया कि ये इमारतें वक्फ की जमीन पर बनी हैं, जिन्हें पहले कांग्रेस और अब बीजेपी इस्तेमाल कर रही है। मौलाना के अनुसार, देश की 80 प्रतिशत वक्फ जमीनों पर सरकार का कब्जा है और मुसलमानों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर वक्फ संपत्तियों का सही इस्तेमाल होता, तो मुसलमानों की शिक्षा और रोजगार की हालत बेहतर हो सकती थी।

जब कार्यपालिका काम नहीं करेगी तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा

भारत में राष्ट्रपति नाममात्र के मुखिया: कपिल सिब्बल

एजेंसी/नई दिल्ली

इंदिरा को अयोग्य ठहराने का जज का फैसला उपराष्ट्रपति को मंजूर था, अब जजों पर सवाल उठा रहे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल को एक बयान दिया- जज राष्ट्रपति को सलाह न दें। शुक्रवार को राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने उनके इस बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जब कार्यपालिका काम नहीं करेगी तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा। सिब्बल ने कहा कि भारत में राष्ट्रपति नाममात्र का मुखिया है। राष्ट्रपति-राज्यपाल को सरकारों की सलाह पर काम करना होता है। मैं उपराष्ट्रपति की बात सुनकर हैरान हूं, दुखी भी हूं। उन्हें किसी पार्टी की तरफदारी करने वाली बात नहीं करनी चाहिए।

सिब्बल ने 24 जून 1975 को सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्र करते हुए कहा- 'लोगों को याद होगा जब इंदिरा गांधी के चुनाव को लेकर फैसला आया था, तब केवल एक जज, जस्टिस कृष्ण अय्यर ने फैसला सुनाया था। उस वक्त इंदिरा को सांसदी गवानी पड़ी थी। तब धनखड़ जी को यह मंजूर था। लेकिन अब सरकार के खिलाफ दो जजों की बेंच के फैसले पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सिब्बल ने कहा कि आज के समय में अगर किसी संस्था पर पूरे देश में भरोसा किया जाता है, तो वह न्यायपालिका है। सुप्रीम कोर्ट को अनुच्छेद 142 की ताकत संविधान से मिली है। ऐसे में अगर किसी को कोई परेशानी है तो वो अपने अधिकार का प्रयोग कर रिव्यू डाल सकते हैं। वे अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से सलाह भी मांग सकते हैं। अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अधिकार देता है कि वह पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है। इंदिरा गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने वाला फैसला 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया था। 12 जून 1975 को जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार राज नारायण की याचिका पर सुनवाई की। जिसमें आरोप था कि इंदिरा ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग, अपने पद का गलत इस्तेमाल और चुनाव नियमों का उल्लंघन किया है।

भागलपुर में वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में एकता व मोहब्बत की आवाज बुलंद

मुर्शिदाबाद की घटना में हमारी कौम किसी के बहकावे में न आए: शाहनवाज

केटी न्यूज/भागलपुर

सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि हमारी कौम किसी के बहकावे में न आए। मुर्शिदाबाद से निकली चिंगारी देश को नहीं जला सकती। भागलपुर में वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में एकता और मोहब्बत की आवाज बुलंद की गई। भागलपुर के लोग एकता, भाईचारा और मोहब्बत का पैगाम देते हैं। लेकिन मुर्शिदाबाद से नफरत, हिंसा की बातें निकल कर आ रही हैं। वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करते हुए जिले के सभी मुस्लिम भाइयों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रिया कहा है। ये बातें भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कही।

भागलपुर में भाजपा की ओर आयोजित वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के तहत वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा कार्यक्रम में शाहनवाज हुसैन ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में नफरत की चिंगारी से समूचे देश को जलाने की नापाक हरकत की जा रही है। तृणमूल कांग्रेस के लोग इस नफरत की राजनीति में संलिप्त हैं। ये लोगों को दिग्भ्रमित करने का काम कर रही है। हमको इसके बहकावे में नहीं आना है, हमारी कौम जज्बाती है। साल 1947 में मो. अली जिन्ना के मजहब के नाम पर मुल्क बनाने की बात पर बहकावे में आकर जो लोग पाकिस्तान चले गए। आज ऐसे लोग दर-दर भटक रहे हैं। उनकी हालत खराब है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून के तहत एक इंच भी जमीन किसी मस्जिद, कब्रिस्तान या दरगाह से छिनी नहीं जाएगी। कुछ लोग हमारे मुस्लिम भाइयों के बीच इस कानून के खिलाफ गलत बातों को प्रचारित कर रहे हैं। जो बिल्कुल ही गलत है। यह कानून गरीब, लाचार और पसमांदा मुस्लिम भाइयों के हित में है। यह किसी के खिलाफ नहीं है। साल 2013 में मैंने संसद में वक्फ संशोधन बिल को लेकर कहा था कि वक्फ की सारी जमीन को मुस्लिम भाइयों को सौंप देना चाहिए। ये खुद अपनी हथेली से तकदीर को लिखेंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम भाइयों के लिए भारत से अच्छा देश, हिंदुओं के समान अच्छा मित्र और नरेंद्र मोदी की तरह एक अच्छा नेता कोई और नहीं हो सकता, यह मुल्क उनका भी है।उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सभी लोगों तक पहुंचाने का काम किया जाए। शाहनवाज हुसैन ने कहा, बिहार में राजद खुद को डूबने से बचा ले, यही बड़ी बात होगी। हमारा देश पूरी तरह से सुरक्षित है। कोई ताकत देश में एकता के अटूट बंधन को नहीं तोड़ सकती। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरूआत भागलपुर से की जा रही है। यहां के लोग गंगा-जमुनी तहजीब को मानने वाले लोग हैं। यहां से जो बातें निकलती हैं, वह दूर तक जाती है। उन्होंने कहा कि बिल को लाने से पहले सभी पहलूओं पर गौर किया गया था। इसके बाद संसद में बहस हुई थी। इसके बाद इस बिल को पास किया गया था। जो समाज के हित में है। मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जिलाध्यक्ष संतोष साह सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ सदस्यों, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में मुस्लिम तबके के लोग मौजूद रहे।

मुर्शिदाबाद की घटना पर भाजपा नेताओं ने ममता को घेरा

पटना। पश्चिम बंगाल में वक्फ एक्ट को लेकर हिंसा हुई। इस हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई। अब राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। खासकर मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर। आरोप है कि ममता सरकार हिंसा को रोकने में नाकाम रही। जिसके चलते हिंदू परिवारों को पलायन करना पड़ा। पश्चिम बंगाल में 11 महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। पूरे देश के बीजेपी नेताओं को निशाने पर ममता बनर्जी हैं। बिहार के नेता भी ममता को लेकर जमकर बयानबाजी कर रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने गोपालगंज में कहा कि बंगाल में लगता नहीं है कि वहां का हिंदू भारत में रहता है। केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि ममता जी की ममता समाप्त हो चुकी हैं। हिंदुत्व के प्रति उनको नफरत हो गया है। अगर उन्हें हिन्दू से बहुत तकलीफ है तो उन्हें पश्चिम बंगाल से खुद को अलग कर लेना चाहिए। क्योंकि हिंदुस्तान है तो हिंदुस्तान में हिंदू रहेंगे। अगर उन्हें हिन्दू से तकलीफ है तो किसी मुस्लिम देश में उन्हें चले जाना चाहिए। संतीश चंद्र दुबे बिहार से राज्यसभा के बीजेपी सांसद हैं।वहीं, दूसरे केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि मुर्शिदाबाद में पुलिस के काफिले पर हमले हो रहे हैं। ममता जी वोट और तुष्टीकरण के लिए ये कर रही हैं।

मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पर चार्जशीट दायर

केटी न्यूज/पटना

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला डॉ. प्रसाद के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति से संबंधित है। चार्जशीट पटना स्थित विशेष अदालत में 15 अप्रैल 2025 को दाखिल की गई। इस मामले में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के अलावा उनके बेटे डॉ. अशोक कुमार, उनके भाई अवधेश प्रसाद और प्यारी देवी मेमोरियल वेलफेयर ट्रस्ट को भी आरोपी बनाया गया है।अदालत ने उसी दिन, यानी 15 अप्रैल 2025 को इस चार्जशीट पर संज्ञान भी ले लिया है। ईडी ने यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट , 2002 के तहत की है। ईडी की जांच में सामने आया है कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और उनके परिजन ने अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित की। उसे ट्रस्ट और अन्य माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए वैध दिखाने की कोशिश की। मामले की आगे की सुनवाई विशेष अदालत में होगी। ईडी ने मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच विशेष सतर्कता इकाई, पटना के दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी।

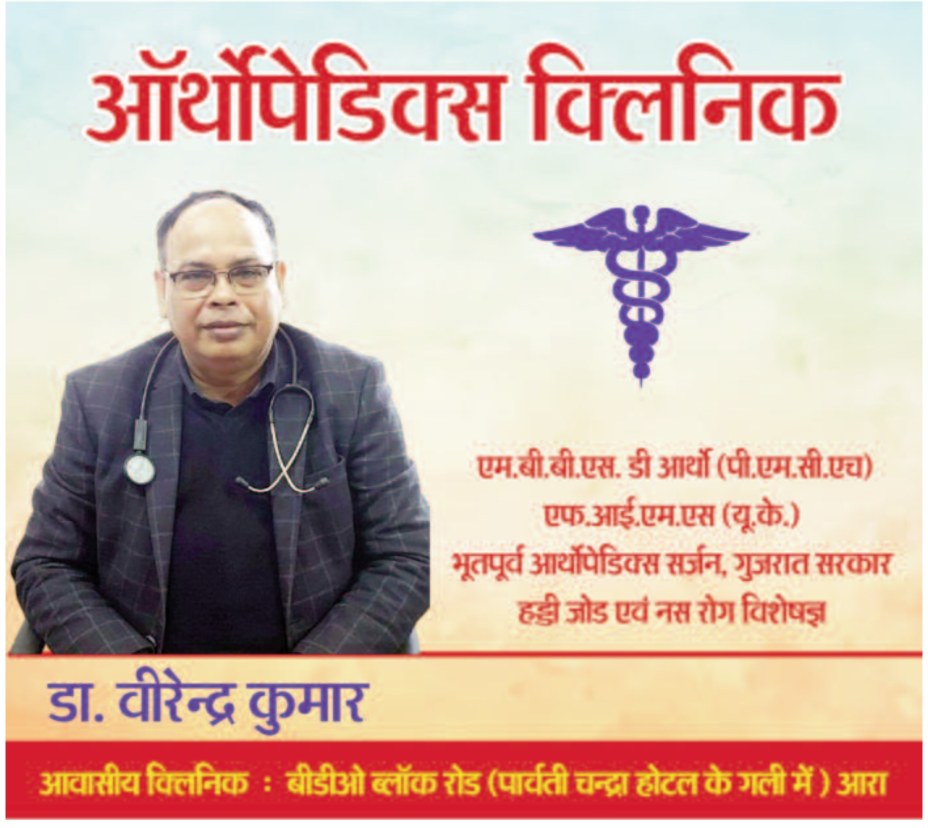

सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण नियोजित शिक्षकों का होगा अंतरजिला स्थानांतरण, दागी रहेंगे बाहर

केटी न्यूज/पटना

बिहार शिक्षा विभाग ने अंतरजिला स्थानांतरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नए आदेश के अनुसार, केवल वे नियोजित शिक्षक, जिन्होंने सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण की है, अंतरजिला स्थानांतरण के पात्र होंगे। इसके साथ ही उन शिक्षकों को इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है, जिन पर विभागीय कार्यवाही, निगरानी जांच, या वित्तीय अनियमितता से संबंधित कोई मामला लंबित है।

ऐसे में जो शिक्षक श्रेणियों के शिक्षकों को अंतरजिला स्थानांतरण की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिन पर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई चल रही है और जिनके खिलाफ निगरानी विभाग द्वारा जांच जारी है उन शिक्षकों का तबादला नहीं होगा। इसके अलावा जो किसी वित्तीय गबन के मामले में शामिल हैं उन शिक्षकों का भी स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। यदि गलती से इस श्रेणी के किसी शिक्षक का स्थानांतरण कर दिया गया है, तो संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी उन्हें कार्यमुक्त नहीं करेंगे। प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने सभी क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशकों, जिला शिक्षा पदाधिकारियों तथा जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों (स्थापना) को निर्देशित किया है कि स्थानांतरण के बाद नए जिले में शिक्षक की वरीयता का निर्धारण पहले से जारी नियमों के अनुसार किया जाएगा। हालांकि, यदि किसी विद्यालय में छात्र-शिक्षक अनुपात असंतुलित होता है, तो स्थानांतरित शिक्षकों को भविष्य में अन्य जगह भी स्थानांतरित किया जा सकता है।

निजी अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद जच्चा-बच्चा की मौत

सीवान। सीवान शहर के डॉक्टर्स कॉलोनी स्थित एक निजी अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता और नवजात की मौत से हड़कंप मच गया। मृतका सुषमा देवी गोपालगंज के बरौली थाना क्षेत्र के बलहा गांव निवासी सोनू कुमार बिन की पत्नी थी। परिजनों ने अस्पताल और डॉक्टर पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। घटना के बाद डॉक्टर और कर्मचारी अस्पताल बंद कर फरार हो गए। परिजनों के अनुसार, प्रसव पीड़ा के बाद उन्हें भर्ती किया गया। आरोप है कि सिजेरियन के बाद सुषमा ने एक बच्चे को जन्म दिया, कुछ देर बाद बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद सुषमा की भी मौत हो गई।

पांच साल के मासूम के सिर में कील ठोककर ले ली जान

बेगूसराय। बेगूसराय में जमीन विवाद में 5 साल के मासूम की हत्या कर दी गई। घटना रिफाइनरी थाना क्षेत्र के चकबल्ली गांव वार्ड नंबर-14 की है। मृतक की पहचान अनमोल सिंह के बेटे गोलू कुमार के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि गोलू घर से 10 रुपए लेकर बिस्किट खरीदने दुकान निकला था। कुछ देर बाद पड़ोसी बालकृष्ण सिंह उसकी लाश लेकर आये और गोलू के शव को उसकी मां रिंकू देवी की गोद में डालते हुए कहा कि लो मर गया तुम्हारा बेटा। यह सुनते ही रिंकू देवी दहाड़ मारते हुए रोने लगी। घटना के बाद परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि बालकृष्ण सिंह और उसके परिवार ने ही गोलू की हत्या की है। उन्होंने आरोप लगाया गया कि बच्चे के सिर में कील ठोंककर उसकी हत्या की गई है।

@सीतामढ़ी: बागमती नदी में डूबे परिवार के चार सदस्य, मां-बेटी की मौत, एक बच्ची लापता

केटी न्यूज/सीतामढ़ी

सीतामढ़ी से दिल दहलाने वाला मामला सामने आई है, जहां एक ही परिवार के 4 लोग बागमती नदी में डूब गए है। यह हादसा शुक्रवार 17 अप्रैल को हुआ। दरअसल, सीतामढ़ी के सुप्पी थाना क्षेत्र के अख्ता घाट पर अहले सुबह ही घटना घटी। डूबने वालों में एक महिला और उसकी दो बेटियां शामिल हैं। वहीं, महिला का पति तैरकर बाहर निकल गया और उसकी जान बच गई। घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो आसपास और ग्रामीण जुटे।स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस पहुंची।

बताया जाता है कि स्थानीय लोगों के सहयोग से महिला और उसकी एक बच्ची का शव बाहर निकाला गया। अभी एक दूसरी बेटी लापता है उसकी खोज हो रहीं है। मृतकों की पहचान 27 वर्षीय नाजमी खातून, उसकी दो साल की बेटी नायरा खातून के रूप में की गई है। वहीं, 5 साल की बेटी तौसीर खातून को ढूंढने का प्रयास जारी है। मृतक नाजमी के पति मो. तौसीर भी परिवार के साथ डूब रहे थे, लेकिन तैरकर सुरक्षित बाहर निकल गए। वहीं,

अपने परिवार के बिखरने से तौसीर को गहरा सदमा लगा है। मौके पर जुटे लोग उसे संभालने में जुटे रहे। पुलिस की पूछताछ के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि तौसीर बैरगनिया के चकबा स्थित मजार पर आयोजित कार्यक्रम में गुरुवार को परिवार संग शामिल होने गया था। कार्यक्रम में शामिल होकर सुबह बाइक से सभी वापस सुप्पी स्थित अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अख्ता घाट पर नदी पार करने के लिए नाव पर चढ़ने की कोशिश की। इस दौरान नाव का संतुलन बिगड़ गया और बाइक सहित पूरा परिवार नदी में जा गिरा। जिसके बाद यह घटना घटित हुई है।

स्कूल लेवल पर 25 से 27 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी प्रतियोगिता

मशाल-2024 प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर हुई बैठक, 77 खिलाड़ी हर स्कूल से लेंगे भाग

केटी न्यूज/पटना

देश की सबसे बड़ी खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता मशाल-2024 के आयोजन को लेकर पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि स्कूल लेवल पर प्रतियोगिता 25 से 27 अप्रैल 2025 तक आयोजित की जाएगी। त्रैमासिक परीक्षा 27 अप्रैल के बाद आयोजित की जाएगी ताकि प्रतिभागियों को परीक्षा और प्रतियोगिता दोनों में उचित समय मिल सके।

19 मई 2025 से कॉम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर स्तर की प्रतियोगिताएं शुरू होंगी, जिनमें प्रत्येक स्कूल से 77 खिलाड़ी भाग लेंगे। यह आयोजन बिहार के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए

तैयार करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस बैठक की अध्यक्षता खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंद्र ने की। स्कूली स्तर पर बैटरी टेस्ट आयोजित किया जाएगाखिलाड़ियों के विद्यालय परिवर्तन को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। क्लास 8 और 10 के खिलाड़ियों के स्कूल बदलने के लिए नया जोड़ना और पुराना हटाना विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा। जिससे पोर्टल पर खिलाड़ियों की जानकारी सटीक बनी रहे।स्कूली स्तर पर बैटरी टेस्ट आयोजित कर उसका डेटा पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगा। वर्तमान में कुल रजिस्टर्ड खिलाड़ियों की संख्या 15,62,405 है। मशाल वेब-पोर्टल 20 अप्रैल से खोला जाएगा। इस प्रतियोगिता से संबंधित सभी सूचनाएं और पोर्टल से जुड़ी समस्याएं मशाल 2024 - डीईओ ग्रुप और मशाल 2024 डीपीओ (सर्व शिक्षा अभियान) ग्रुप के माध्यम से साझा की जाएगी। मशाल वेब-पोर्टल 20 अप्रैल 2025 को सुबह 11 बजे से खोल दिया जाएगा, जिससे संबंधित अधिकारी और प्रतिभागी आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वहीं, हर जिले के डीईओ और डीपीओ को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्यालय इस प्रतियोगिता में अनिवार्य रूप से भाग ले।

चुरामनपुर पंचायत के प्राथमिक विद्यालय शेरपुर में जिलाधिकारी ने किया महिला संवाद का शुभारंभ

136 पंचायत अंतर्गत 925 ग्राम संगठनों में आयोजित होगा महिला संवाद: जिलाधिकारी

♦ कहा- महिला संवाद बनेगा जिले की महिलाओं के आत्मसम्मान, अधिकार और अवसरों की आवाज

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने शुक्रवार को जिले के सदर प्रखंड स्थित चुरामनपुर पंचायत के प्राथमिक विद्यालय शेरपुर में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने बताया कि महिलाओं को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा उनकी इच्छाओं एवं आकांक्षाओं को साझा करने हेतु "महिला संवाद" जैसे नवाचारात्मक कार्यक्रम जीविका से संबद्ध सभी ग्राम संगठनों के माध्यम से गांव-गांव में आयोजित होगा।

उन्होंने बताया कि बक्सर जिला के सभी 136 पंचायत अंतर्गत 925 ग्राम संगठनों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। प्रथम चरण में प्रखंड राजपुर, ब्रह्मपुर, चौसा, डुमरांव, सिमरी, नावानगर एवं बक्सर सदर में 18 अप्रैल से यह कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में गांव की सभी महिलाओं को आमंत्रित किया जाएगा।

उन्होंने महिला संवाद कार्यक्रम के कई मुख्य उद्देश्यों हैं। इनमें महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं/कार्यों के विषय में महिलाओं को जानकारी प्रदान करना शामिल है। साथ ही, महिलाओं को अपने गांव या टोलों की समस्याओं और आकांक्षाओं को चिह्नित कर उसकी प्राथमिकता निर्धारण करने हेतु अवसर प्रदान किया जाएगा। संवाद के दौरान प्राप्त समस्याओं का विभिन्न स्तर पर त्वरित समाधान होगा। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सरकार की योजनाओं के सूत्रण एवं नीति-निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित किया जाएगा। सरकार के द्वारा महिला सशक्तिकरण के तहत चलायी जाने वाली योजनाओं से लाभान्वित महिला लाभार्थियों द्वारा अनुभव साझा किया जाएगा। योजनाओं/ कार्यों के सम्बन्ध में सभी माताओं -बहनों से मन्तव्य ली जाएगी। जिससे ग्राम, समाज तथा पारिवारिक स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जाएगा।

जागरूकता वाहन से भी दी जाएगी जानकारी

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने शुक्रवार को जागरुकता वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उन्होंने बताया कि यह जागरूकता वाहन जिले के सभी पंचायतों में घुमकर महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देगा। जागरूकता वाहन के माध्यम से सरकार द्वारा किए गए कार्यों को वीडियो फिल्म के माध्यम से दिखाया जाएगा। इसके लिए हर कार्यक्रम स्थल पर जागरुकत्ता वाहन तैनात किया जायेगा। इसमें बड़े स्क्रीन पर वीडियो फिल्म दिखायी जायेगी। जागरूकता वाहन के माध्यम से सरकार द्वारा क्रियान्वित कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया जाएगा। महिलाओं को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने एवं उनकी इच्छाओं एवं

आकांक्षाओं को साझा करने के लिए महिला संवाद जैसे नवाचारात्मक कार्यक्रम जीविका से संबद्ध सभी ग्राम संगठनों के माध्यम से गांव-गांव में आयोजित किया जाएगा। यह महिला संवाद महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दे उन्हें इसका लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

2006 से की गई जीविका परियोजना की शुरूआत : जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय एवं उत्थान के लिए कई प्रयास किए गए हैं। वर्ष 2006 से जीविका परियोजना की शुरूआत की गई। साथ ही, एक अप्रैल 2016 से पूरे बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की गई। वहीं, वर्ष 2018 से सतत जीविकोपार्जन योजना की शुरूआत की गई। वर्ष 2021 से मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना की शुरूआत की गई। इसके साथ-साथ आरक्षण के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण एवं प्रगति हेतु सकारात्मक प्रयास किया गया है। वर्ष 2006 से पंचायती राज संस्थाओं में एवं वर्ष 2007 से नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण। वर्ष 2006 से प्रारंभिक शिक्षक नियुक्ति में 50 प्रतिशत आरक्षण। वर्ष 2013 से बिहार पुलिस एवं वर्ष 2016 से अन्य सरकारी सेवाओं में 35 प्रतिशत आरक्षण। इसके अलावा मेडिकल इंजीनियरिंग एवं स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी से संबद्ध शैक्षणिक संस्थानों के नामांकन में 33 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि जन-जन तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी है। कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए जितने कार्य किए गए हैं, उन सभी बातों की जानकारी दी जाएगी तथा योजनाओं के बारे में जागरुकता प्रसारित की जाएगी।

सीएम ने महिला संवाद का किया उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से शामिल हुए अधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार में अब महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने तथा उन्हें सरकारी योजनाओं के लाभ उठाने के तौर तरीके बताने व स्वरोजगार से जोड़ आर्थिक उन्नति के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महिला संवाद का उद्घाटन राजधानी पटना में किया। इस दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बक्सर जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल व अन्य अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस संबंध में जिलाधिकारी ने बताया कि महिलाओं को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने एवं उनकी इच्छाओं एवं आकांक्षाओं को साझा करने के लिए महिला संवाद जैसे नवाचारात्मक कार्यक्रम जीविका से संबद्ध सभी ग्राम संगठनों के माध्यम से गांव-गांव में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि नवाचारात्मक कार्यक्रम का अर्थ बताते हुए कहा कि इसमें पैसे खर्च नहीं होंगे बल्कि महिलाओं को योजनाओं की जानकारी व आइडिया बताकर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्हें यह भी बताया जाएगा कि सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए कौन-कौन सी लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है। ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बनेगी, यहीं इस संवाद का मुख्य उदेश्य है।

जीविका से हुए है सामाजिक बदलाव, वंचित परिवारों को समाज के मुख्य धारा में जोड़ा: डुमरांव एसडीएम

नावानगर। प्रखंड के बेलहरी सामुदायिक भवन में शुक्रवार को महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन एसडीएम राकेश कुमार एवं वरीय उपसमाहर्ता आलोक नारायण वत्स जीविका बीपीएम पप्पू प्रसाद ने संयुक्त रुप से किया। एसडीएम ने उपस्थित जीविका दीदियों को जीविका से हुए सामाजिक बदलाव की सराहना की। सरकार की सतत् जीविकोपार्जन योजना से अत्यंत गरीब व वंचित परिवारों को समाज के मुख्य धारा में लाकर सकारात्मक बदलाव लाने में जीविका दीदी की भूमिका बताया। कहा शिक्षा में लड़कियों के लिए चलाई जा रही योजनाएं, पुलिस विभाग, पंचायती राज, संस्थाओं एवं खेल के क्षेत्र में आरक्षण

देकर महिलाओं को आगे बढ़ाने में सरकार विशेष ध्यान दे रही है। कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक समन्वयक जनेश्वर कुमार द्वारा किया गया था। मौके पर महिला सुपरवाइजर ,जीविका के एलएस अखिलेश दीक्षित, क्षेत्रीय समन्वयक, सामुदायिक समन्वयक, जीविका कैडर समेत दर्जनों जीविका दीदिया थी।

एक नजर

मल्लिकार्जुन खड़गे 20 अप्रैल को पहुंचेंगे बक्सर प्रदेश अध्यक्ष ने किया कार्यक्रम स्थल का दौरा

बक्सर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जय बापू जय भीम जय संविधान कार्यक्रम को लेकर 20 अप्रैल को बक्सर दलसागर खेल मैदान पहुंचेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने आज बक्सर पहुंचकर दलसागर खेल मैदान और चुरामनपुर में बन रहे हेलीपैड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेलीपैड निर्माण को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। इस दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार वंचित, शोषित समाज के बेहतरी के लिए काम कर रही है और बिहार में पार्टी को प्रदेश से लेकर प्रखंड स्तर पर मजबूत करने का काम कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का आगमन बिहार में 20 अप्रैल को बक्सर और पटना में होने जा रहा है। ये बेहद ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और आने वाले समय में शाहाबाद और पटना से बिहार में संविधान के सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मजबूत संदेश देने का काम करेंगे। उन्होंने सभी कांग्रेसजन सहित क्षेत्रवासियों को इस कार्यक्रम में प्रेस के माध्यम से आमंत्रण भी दिया। वहीं, बक्सर आगमन पर कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का जगह जगह उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के अलावे, विधायक द्वय संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, विश्वनाथ राम, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, अशोक गगन, सौरभ सिंहा, राजीव मेहता, मंजीत आनंद साहू सहित जिला कांग्रेस के अन्य नेतागण मौजूद रहें।

अनदेखी: केसठ प्रखंड कार्यालय में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र पर वसूला जा रहा स्वच्छता शुल्क

केसठ। प्रखंड कार्यालय में नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए निर्धारित 350 रुपए की वार्षिक स्वच्छता शुल्क अब जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर वसूला जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन करने पर उनसे 350 रुपए का शुल्क लिया जा रहा है, जिसकी रसीद तो दी जाती है, परंतु यह वसूली पूरी तरह से अनुचित है। यह शुल्क केवल कचरा संग्रहण के लिए निर्धारित है, न कि प्रमाण पत्र जारी करने के लिए.इसको ले कर किरनी वार्ड 10 के वार्ड सदस्य हसीना बनो ने ग्रामीणों की हस्ताक्षर युक्त एक आवेदन बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा को दिया गया उन्होंने आवेदन में आरोप लगाया है कि यह एक प्रकार की जबरन वसूली है, जिससे आम लोगों को अनावश्यक आर्थिक बोझ झेलना पड़ रहा है। लोगों ने स्थानीय और जिला प्रशासन से मांग की है कि इस गैरकानूनी वसूली पर तत्काल रोक लगाया जाए और दोषी कर्मियों पर कार्रवाई की जाए। नियमों की बात करें तो लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत चले रहे डोर टू डोर कचरा उठाओ का शुल्क डोर टू डोर वसूलना है,जो स्वच्छता से जुड़े कर्मी को इस काम के लिए नियुक्त किया गया है।

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान

होटल व्यवसायी हेमंत सिंह को जान से मारने की मिली धमकी, एफआईआर दर्ज

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के प्रसिद्ध होटल व्यवसायी व संवेदक हेमंत सिंह को व्हाट्सऐप काल पार जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने कॉल के दौरान अपना नाम धीरज बताया है। इसके बाद पीड़ित व्यवसायी ने इसकी सूचना नगर थाने तथा बक्सर एसपी शुभम आर्य को दी।

पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित ने जिक्र किया है कि धमकी देने वाले ने पैसे की मांग की थी तथा नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दिया है। व्यवसायी ने यह भी जिक्र किया है कि फोन काटने के बाद उसने चैटिंग कर भी पैसे मांगे है। जानकारी मिलते ही एसपी ने तत्काल इस मामले की जांच कर आरोपित को गिरफ्तार करने का निर्देश थानाध्यक्ष को दिया। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने इस मामले की जांच की तथा आरोपित धीरज कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

हलांकि, पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आई है कि आरोपित पूर्व में उक्त व्यवसायी के यहां काम करता था। निकाले जाने के बाद वो नाखुश था। फिलवक्त उसे कुछ रुपयों की जरूरत थी, जिसको लेकर वो बार-बार उसे कॉल कर रहा था। जब उन लोगों ने रुपये देने से इन्कार कर दिया, तब उसने उन लोगों को जान से मारने की धमकी दी थी।

मामले की जांच की गई

“ होटल व्यवसायी ने व्हाट्सऐप कॉल के माध्यम से जान मारने की धमकी दिए जाने की शिकायत की थी। मामले की जांच की गई। आरोपित उनका पूर्व का कर्मी है, उसे पैसे की जरूरत थी, जिसके लिए उसने फोन कर धमकी दी थी। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

- शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

धनसोई में शराब लदी थार को किया जब्त लाखों की शराब के साथ दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

धनसोई पुलिस ने रोहतास जिला के मद्य निषेध पुलिस से मिली सूचना के आधार पर शराब लदी एक थार वाहन को जब्त किया है। उक्त वाहन से पुलिस ने 585 लीटर देशी मशालेदार शराब के साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश ने बताया कि रोहतास मद्य निषेध टीम से सूचना मिली थी कि एक काले रंग की थार वाहन जिसका रजिस्टेज्शन नंबर यूपी 65 ईवी 09192 से शराब की खेप दिनारा धनसोई मार्ग से जाने वाली है। इस सूचना पर थाना क्षेत्र के खौरैठा पुल के पास वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया गया। वहीं, पुलिस टीम इसी दौरान उत्क्रमित मध्य विद्यालप रामपुर डेरा के पास पहुंची थी कि पश्चिम दिशा से एक वाहन काले रंग की थार आ रही थी। पुलिस टीम को देखकर थार चालक वाहन को घुमाने लगा, इस क्रम में उक्त वाहन रोड के किनारे चाट में फंस गई। जिसके बाद वाहन से दो व्यक्ति निकलकर भागने लगे, जिसे पुलिस टीम ने दौड़ाकर पकड़ लिया गया तथा थार की तलाशी ली गई तो उसमें 65 कॉर्टन में कुल 585 लीटर देशी मशालेदार शराब मिली। जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार तस्करों की पहचान यूपी के गाजीपुर जिला के मरदह थाना क्षेत्र के बोगना गांव निवासी गणेश राजभर पिता स्व. वंशी राजभर तथा बिहार के कैमूर जिला के मोहनिया थाना क्षेत्र के भलुही गांव निवासी कृष्णा कुमार पिता रमेश सिंह के रूप में हुई है। तस्करों ने पुलिस को बताया कि शराब की उक्त खेप को दिलदारनगर से लेकर आ रहे थे तथा इसे मलियाबाग पहुंचाना था। दोनों के अलावे वाहन मालिक पल्लू के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर पुलिस उन्हें जेल भेज दी है। वहीं, उनके निशानदेही पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

एसपी ने किया साइबर थाने का निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश; बोले...

साइबर अपराध के मामलों का करें त्वरित निष्पादन

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर एसपी शुभम आर्य ने शुक्रवार को साइबर थाना बक्सर का निरीक्षण किया। उन्होंने थाना कार्यों की समीक्षा एवं सभी महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन किया तथा कई आवश्यक निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि जिले में बढ़ रहे साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए जरूरी है कि पुलिस साइबर अपराध से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन करें। उन्होंने साइबर थानाध्यक्ष को साइबर मामले से जुड़े अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने तथा कांडो के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया।

वहीं, एसपी ने थाना पर आए आवेदकों से उनकी समस्या को सुना तथा कार्रवाई के लिए संबंधित पदाधिकारी को दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने आवेदकों से कहा कि कहा कि साइबर अपराधियों से बचाव के लिए हमे जागरूक होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जबतक हम खुद जागरूक नहीं होते तबतक साइबर अपराधियों को रोकना मुश्किल है। वहीं, उन्होंने साइबर थानाध्यक्ष समेत पुलिसकर्मियों को भी साइबर अपराध से जुड़े मामलों के निष्पादन तथा साइबर अपराधी तक पहुंचने के लिए कई अहम निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि साइबर अपराधियों को पकड़ सलाखों के पीछे भेजने तथा उनसे राशि रिकवर करने की दिशा में ठोस कदम उठाना होगा।

इस दौरान एसपी ने सोशल मीडिया पर लोक लुभावने व ऑन लाइन जांब जैसे मामलों से दूर रहने, किसी को ओटीपी शेयर नहीं करने तथा बैंक डिटेल्स नहीं देने की बात समझायी। एसपी ने कहा कि अक्सर साइबर अपराधी बैंक अधिकारी, पुलिस अधिकारी या फिर कोई अन्य अधिकारी बन फोन करते है। इसके अलावे विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर भी लोगों को फांसते है। हमें उनसे सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि बैंक से जुड़े मामलों के लिए कोई फोन आता है तो हमे उस पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि बैंक जाकर सत्यता की पड़ताल करनी चाहिए।

गौरतलब हो कि हाल के दिनों में जिले में साइबर ठगी के कई मामले सामने आए है। अब तो फोन पे के क्लोन ऐप से भी जिले में ठगी के कई मामले सामने आ चुके है। यही कारण है कि एसपी अब साइबर अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में काफी सख्त हो गए है।

डीईओ के निरीक्षण में कुंवर सिंह मध्य विद्यालय में बंद मिला समरसेबल

♦ जिला शिक्षा पदाधिकरी ने प्रभारी प्रधानाध्यापक से मांगा स्पष्टिकरण

केटी न्यूज/बक्सर

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों में संसाधनों की आपूर्ति की गई है। बिजली, पंखा, पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय आदि व्यवस्था को दुरूस्त किया गया है।

लेकिन, ये सारे संसाधन कागजों पर ही छात्रों को मयस्सर हो रहे है। इसका खुलासा जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार पांडेय द्वारा बक्सर के कुंवर सिंह मध्य विद्यालय के निरीक्षण के दौरान हुआ है। डीईओ ने इस विद्यालय के निरीक्षण के दौरान समरसेबल को बंद पाया, इसके अलावे कई अन्य खामियां भी देखने को मिली। जिससे नाराज डीईओ ने इस विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक से शो-कॉज पूछा है।

डीईओ के निरीक्षण के दौरान एमडीएम पंजी फरवरी माह के बाद अपडेट नहीं किया गया था, चखना पंजी संधारण ठीक से नहीं हुआ था। जिससे साफ जाहिर हो रहा है कि एमडीएम संचालन में भारी पैमाने पर अनियमितता बरत राशि का गबन कर लिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान डीईओ ने पाया कि स्कूल में एक शौचालय में ताला बंद था, जबकि एक अन्य शौचालय का निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के बावजूद उसका एनओसी संवेदक को दिया गया है। जिससे शौचालय निर्माण की पूर्ण राशि की निकासी हो गई है। कम्पोजिट ग्रांट की राशि के व्यय के संबंध में अभिलेख नहीं पाया गया।

डीईओ ने जब बंद समरसेबल के संबंध में जानकारी ली तो पता चला कि प्रभारी एचएम ने कनीय अभियंता को लिखकर दिया है कि समरसेबल चालू है। डीईओ ने इसे साजिश माना और कहा कि समरसेबल बंद होने से इस भीषण गर्मी में बच्चों की पयास कैसे बुझती होगी। वहीं, हैंडवॉश स्टेशन भी नहीं मिला। डीईओ ने माना है कि संवेदक से मिलीभगत कर सरकारी राशि की लूट-खसोट की गई है।

इसके अलावे डीईओ ने पाया कि कक्षाओं का संचालन एक खुले हॉल में किया जा रहा है। जिसका फर्श टूटा हुआ है। साथ ही वहां टूटा बेंच डेस्क रखा हुआ है। कार्यालय में दो बॉक्स रखा गया है। एक में ताला बंद नहीं था। उसे खोलकर देखा गया तब उसमें कापी रखा हुआ है। यह बच्चों के बीच वितरित नहीं किया गया है और न विभाग को वापस किया गया। इससे पूरी अनियमितता व स्वेच्छाचारिता स्पष्ट हो रही है। डीईओ ने प्रभारी एचएम से तीन दिनों के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की है और कहा कि संतोषजनक जबाव नहीं देने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, डीईओ के इस निरीक्षण के बाद जिलेभर के सरकारी स्कूलों में हड़कंप मच गया है।

सुरक्षा में चुक पर अपर पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) ने बक्सर जिलाधिकारी को भेजा पत्र

सीएम प्रगति यात्रा के दौरान सिमरी में उद्घाटन में अचानक भीड़ जुटने के मामले में जांच शुरू

♦ ड्यूटि पर तैनात 11 अधिकारियों से मांगा गया जबाव

केटी न्यूज/बक्सर

15 फरवरी को जिले के सिमरी प्रखंड के केशोपुर गांव में बने वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट का उद्घाटन करने आए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुरक्षा में चूक हुई थी। इस मामले में पुलिस महकमा के अपर पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) विशेष सुरक्षा दल ने अपने पत्रांक 533 दिनांक 19 फरवरी 2025 के माध्यम से बक्सर जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल को पत्र भेज इसकी जानकारी दी है।

सीएम के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में चूक की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। तत्काल जिलाधिकारी ने बक्सर डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित कर इस मामले की जांच की जिम्मेवारी सौंपी। जांच टीम में डीडीसी के अलावे डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार व एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी शामिल है।

जांच टीम की अध्यक्षता कर रहे डीडीसी ने सीएम के सुरक्षा व्यवस्था में चूक को लेकर उक्त कार्यक्रम में ड्यूटि बजाने वाले कुल 11 अधिकारियों को अपने कार्यालय में उपस्थित हो जबाव देने का निर्देश दिया है। वहीं, जांच रिपोर्ट को सचिवालय भेजा जाएगा। जानकारी के अनुसार उक्त कार्यक्रम में अचानक भीड़ हो गई थी तथा लोग व ग्रामीण मुख्यमंत्री को नजदीक से देखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था तोड़ मंच पर चढ़ने का प्रयास करने लगे थे। हालांकि, इस दौरान जिला प्रशासन व अनुमंडल प्रशासन ने तुरंत स्थिति को संभाल लिया था, जबकि मुख्यमंत्री के सुरक्षा में लगे कमांडो ने भी कुछ लोगों को जबरन मंच पर चढ़ने पर उन्हें मंच से नीचे फेंक दिया था।

इस घटना के सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल तो यह बन गया है कि क्या सच में मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था में कोई चूक हुई थी और यदि हुई थी तो स्थानीय प्रशासन ने क्यों नहीं इस पर ध्यान दिया था। गौरतलब हो कि अपर पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) द्वारा इस मामले में डीएम को पत्र भेजने बाद से जांच शुरू हुई है। अब देखना है कि जांच के लिए गठित टीम द्वारा क्या रिपोर्ट मुख्यालय को भेजा जा रहा है।

इन अधिकारियों पर लगे है लापरवाही के आरोप : सीएम की सुरक्षा-व्यवस्था में चूक के लिए जिन पदाधिकारियों पर लापरवाही के आरोप लगे है उनमें जिला अवर निबंधक असित कुमार सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी अरविन्द कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी अनिश तिवारी, अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी संजय कुमार झा, जिला मत्स्य पदाधिकारी मनीष कुमार कुंदन, सहायक निदेशक, बाल संरक्षण इकाई विकास कुमार, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, ब्रह्मपुर सोनू कुमार, सिमरी के तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी शशिकांत शर्मा, अंचलाधिकारी भगवती शंकर पाण्डेय, प्रखण्ड उद्यान पदाधिकारी सिमरी हरेन्द्र कुमार तिवारी, सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी रोहित कुमार व सतीश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी, बंदोबस्त कार्यालय, बक्सर श्रीकृष्ण सिंह, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, नावानगर जितेन्द्र कुमार तथा राजस्व अधिकारी-सह-काननूगों बंदोबस्त कार्यालय, बक्सर भोला सिंह यादव शामिल है।

बोले अधिकारी...

" मामले में पत्र आने के बाद बक्सर डीडीसी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम गठित की गई। इसमें मेरे अलावा डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार व एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में उद्घाटन के दौरान अधिक भीड़ जुटने की जांच की जा रही है। मामले में प्रोटोकॉल तोड़कर भीड़ के अचानक सीएम के पोडयिम के समीप लोगों के पहुंचने के मामले में जांच की जा रही है।

- डॉ. महेंद्र पाल, डीडीसी, बक्सर

" मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप जिन अधिकारियों पर लगा है, उनकी जांच की जा रही है। टीम हर एक पहलू की बारीकि से जांच कर रही है। जल्द ही इस मामले में जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

- राकेश कुमार, एसडीएम, डुमरांव

एक नजर

संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल, पुराना भोजपुर ने एक दर्जन शिक्षकों को नौकरी से हटाया

बक्सर। जिले के डुमरांव प्रखंड अंतर्गत पुराना भोजपुर के संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल के हिन्दी मीडियम की मान्यता बिहार बोर्ड द्वारा स्थगित किए जाने के बाद से यहां विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा हैं। पहले जहां विभाग के फैसले से करीब 350 छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है, वहीं अब विद्यालय प्रबंधन ने करीब एक दर्जन शिक्षकों को नौकरी से निकाल दिया है। जिसके बाद शिक्षकों पर आफत आ गई है। मामले के उग्र होने के बाद नौकरी से निकाले जाने वाले शिक्षकों का कहना है कि ताउम्र हमनें अपनी जिंदगी इस विद्यालय के बच्चों को पढ़ाने में खपा दी, लेकिन आज शिक्षा विभाग की टेढ़ी खीर का शिकार हम भी बने हुए है। 31 मार्च 2025 तक शिक्षकों को वेतन देने के बाद विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें नौकरी से हटा दिया है। शिक्षकों का कहना है कि उनको निकाले जाने के बाद अब सभी शिक्षक बेसहारा हो गए हैं। बता दें कि इस विद्यालय में सातवीं से दसवीं तक की पढ़ाई न होने से बच्चियों का भविष्य चौपट हो रहा है। अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन शुरू से ही हिन्दी माध्यम की शिक्षा के विरुद्ध अपनी नजर जमाए हुए हैं। जैसे ही शिक्षा विभाग की टीम ने विद्यालय के निबंधन को रद्द किया, विद्यालय प्रबंधन को मौका मिल गया और विद्यालय प्रबंधन जबरदस्ती अंग्रेजी माध्यम में छात्रों का दाखिला लेने का दबाव परिजनों पर बनाने लगा। अभिभावकों का कहना है कि 22 अप्रैल को विद्यालय प्रबंधन के साथ मीटिंग हैं। हमारी बेटियों की समस्या का निदान नहीं हुआ तो हम आगे तक इसकी लड़ाई लड़ेंगे। वहीं, दूसरी ओर छात्रों के अभिभावकों ने संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल के गेट में ताला जड़ने का अल्टीमेटम भी दे दिया है। मामले में अभिभावक का शिक्षा विभाग से यह सीधा प्रश्न है कि जिन नियमों का हवाला देते हुए संत जोसेफ की मान्यता को रद्द किया गया, क्या ये सुविधाएं जिले के अन्य सरकारी विद्यालयों में मौजूद हैं? क्या सभी सरकारी विद्यालयों में नगर परिषद से स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रमाण पत्र, अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र एवं तमाम दस्तावेज मौजूद है? अभिभावकों ने बताया कि संत जोसेफ स्कूल अपने समतुल्य के सरकारी विद्यालयों की बुनियादी सुविधाओं के अपेक्षाकृत काफी बेहतर है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यालय की पहचान रही है। ऐसे में जांच को पहुंची टीम क्या बुनियादी सुविधाओं की पड़ताल करने किन्हीं अन्य सरकारी विद्यालयों में नहीं गई? क्या कारण है कि बेहतर शैक्षणिक माहौल होते हुए भी मानकों पर खरा न बताकर विद्यालय के निबंधन को रद्द कर दिया गया जिसका खामियाजा आज यहां की बच्चियां और शिक्षक भुगत रहे है। अब देखना है कि इस समस्या के समाधान के लिए शिक्षा विभाग क्या कर रहा है तथा 350 बच्चियां कबतक शिक्षा पाने से वंचित रह रही है।

डुमरांव स्टेशन रोड के किनारे स्थित फुटपाथ का अतिक्रमण कर व्यवसायियों ने किया कब्जा

केटी न्यूज/डुमरांव

स्टेशन रोड अतिक्रमण से धीरे-धीरे सिकुड़ता जा रहा है। अतिक्रमणकारी फुटपाथ को भी नहीं छोड़ रहे हैं। इस रोड के दोनों तरफ बड़े-बड़े व्यवसायियों की नजर लगी हुई है। विभिन्न घर निर्माण की समाग्री से लेकर घरेलू सामानों के बड़े-बड़े मॉल खुले हुए हैं। लगभग सभी ने फुटपाथ पर कब्जा कर रखा हुआ है। इतना ही नहीं जो रहने के लिये घर बनाए हैं, उनके द्वारा भी अपने आगे के फुटपाथ का अतिक्रमण कर लिया है। इस पर नप द्वारा लगाम नहीं लगाए जाने के कारण अतिक्रमणकारियों का मनोबल और बढ़ गया है। अतिक्रमण करने का कुछ मौका नगर परिषद भी दे रहा है नाली का निर्माण जगह छोड़कर।

मालूम हो कि स्टेशन रोड में नया थाना के पास से फुटपाथ का अतिक्रमण शुरू हो जाता है, जो रेलवे स्टेशन से लेकर पश्चिमी गुमटी तक चला गया है। अतिक्रमण करने में निजी स्कूल, व्यवसायी वर्ग से लेकर निजी घर बनाने वाले सभी ने अतक्रमण कर रखा है। इनके अतिक्रमण से पैदल चलने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं स्टेशन रोड में जब नाली का निर्माण नहीं हुआ था तो बरसात के पानी और घर के नाली का पानी जमा होने के लिये रोड कटिंग का गड्ढा बना हुआ था, अतिक्रमणकारी गड्ढा को पूरा भर उसका अतिक्रमण कर लिया गया है। ऐस में नाला नहीं होने के कारण घर का पानी रोड पर बहना शुरू होने लगता है, जिससे फुटपाथ पर चलने वाले लोगों को आने-जाने में परेशानी होने लगती है। प्रखंड कार्यालय के सामने फुटपाथ का अतिक्रमण और कर लिया गया है। दुकान के आगे दुकान लगा दिया जाता है, जिससे कार्यालय आने-जाने में परेशानी और बढ़ जाती है। नगर परिषद साल में एक-दो बार अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाता जरूर है, लेकिन फिर भूल जाता है।

मिट गया है चाट व फुटपाथ का वजूद : स्टेशन रोड में अतिक्रमण का कहर ऐसा है कि फुटपाथ व चाट का वजूद मिट गया है। बता दें कि ईदगाह के बाद से पश्चिमी रेलवे क्रासिंग तक स्टेशन रोड के दोनों किनारे काफी चौड़ा चाट है। जिसके सहारे बरसात के पानी का निकास होता है। इस चाट में मिट्टी डाल कई जगहों पर इसे पूरी तरह से पाट दिया गया है। वहीं, इसके भू-भाग पर कई बड़े व्यवसायी अपना सामान रख उसे अतिक्रमण कर लिए है। आलम यह है कि ईदगाह से लेकर पश्चिमी रेलवे क्रासिंग तक कही भी उस चाट का अस्तित्व नजर नहीं आता है। सिर्फ प्रखंड कार्यालय के समीप व विष्णु मंदिर के पास ही उक्त चाट दिखाई पड़ता है।

गलती से हुई बाइक की अदला बदली, दोनों बाइक ऑनर हुए परेशान

नावानगर। गलती को समय रहते अगर सुधार कर लिया जाता है, तो उसे गलती नहीं मानी जाती। कुछ ऐसा ही हुआ था सोनवर्षा बाजार के एक मोबाइल दुकान के पास। हुआ यूं कि मोबाइल दुकान पर दो अलग-अलग ग्राहक बाइक से पहुंचे थे। संयोग ऐसा था कि दोनों बाइक एक ही कंपनी, एक ही कलर होने के साथ उनकी चाबी से एक दूसरा बाइक स्टार्ट भी हो जाती थी। ऐसे में एक बाइक चालक जो छपरा गांव निवासी था, वह दूसरे की बाइक लेकर अपने घर चला गया। बाद में दूसरा बाइक चालक सोनवर्षा के कृति पुस्तक दुकानदार ने अपनी बाइक वहां नहीं देखकर चोरी होने की आशंका जताया। जबकि दुकान के पास खड़ी दूसरा बाइक की देर शाम तक कोई वारिश नहीं आया। जिसके बाद बाइक की अदला बदली होने की अनुमान लगाते हुए सोनवर्षा के बाइक ऑनर ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। वहीं, दो घंटे बाद वह युवक बाइक लेकर सोनवर्षा पहुंचा। जिसके बाद पुलिस के पहल पर दोनों अपना अपना बाइक लेकर घर चले गए।

तेज हवाओं के कारण अग्निकांड की घटना में हो जाती है वृद्धि: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

अग्नि सुरक्षा सप्ताह के पांचवें दिन शुक्रवार को डीएम अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जिले के माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। बक्सर जिला अंतर्गत होने वाले अग्निकांडों को रोकने के लिए सभा कक्ष में ऑडियो व वीडियो के माध्यम से अग्नि सुरक्षा उपायों से अवगत कराया गया। डीएम ने कहा कि दिनांक 14 से 20 अप्रैल तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न माध्यमों से अग्निकांड से सुरक्षा एवं बचाव के बारे में लगातार अभियान चलाया कर सभी को जागरूक किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पराली जलाने के कारण, खेतों में तेज हवा के कारण अग्निकांड की घटना में वृद्धि हो जाती है। जिससे जान माल की क्षति होती है। पराली जलाने वाले किसानों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई भी की जा रही है। उन सभी को सरकारी लाभ जैसे पीएम किसान योजना से वंचित किया जाएगा। बक्सर जिले में त्वरित गति से अग्निकांड की घटनाओं में राहत पहुंचाई जा रही है। इसके लिए फायर टेंडर एवं अग्नि दलों द्वारा तत्परता से कार्य किया जा रहा है। अगलगी की स्थित में अविलंब अग्निशमालय द्वारा जारी किए गए दूरभाष नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं। बक्सर जिलांतर्गत तीन फायर टेंडर उपलब्ध है एवं 10 मिस्ट टेंडर है। फायर टेंडर की क्षमता अधिक होती है जिसे उच्च जोखिम भवनों व इमारतों में उपयोगी है। दो फायर टेंडर बक्सर सदर एवं 01 अनुमंडल डुमरांव में अग्निशमालय में कार्यरत है। मिस्ट टेंडर सामान्यतः संकीर्ण स्थलों एवं छोटी अगलगी की घटनाओं में उपयोग में लाया जाता है।

गर्मी ने अपना सख्त तेवर किया दिखाना शुरू, परेशान हुए लोग

गर्मी बढ़ते ही एसी-कूलर की बढ़ी मांग, जरूरतमंदों ने की खरीदारी शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

अप्रैल माह शुरू होते ही गर्मी ने अपना सख्त तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। डुमरांव का अधिकतम तापमान 34 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 24 डिग्री पर पहुंच गया है। तापमान के बढ़ते ही बाजारों में एसी व कूलर की बिक्री परवान चढ़ने लगी है। दुकानदार, ग्राहकों को कई तरह के ऑफर देकर लुभाने की कोशिश में लगे है। मौसम विभाग के जारी आंकड़ों पर गौर करें तो धीरे-धीरे तापमान बढ़ता ही जायेगा।

धूप और उमस भरी गर्मी के कारण शहर की सड़कें दोपहर में विरान होने लगी है। चौक-चौराहों पर शीतल पेयजल और कोल्ड ड्रिंक्स व शरबतों की बिक्री भी बढ़ गयी है। इस गर्मी ने लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। गर्मी से बचाव के लिये लोग पहले से ही सतर्क होने लगे है। घरों में पंखा, कूलर और एसी का सहारा ले रहे हैं। मौसम को देखते हुए लोग कूलर, एसी और पंखा खरीदना शुरू कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में खरीदारी के लिये ग्राहकों की भीड़ लगने लगी है। इलेक्ट्रॉनिक्स सामान विक्रेता दीपक कुमार, राजू कुमार, प्रकाश आदि ने बताया कि अभी से जिस तरह से गर्मी पड़ना शुरू हुआ है इस बार रिकार्ड गर्मी पड़ने की बात कही जा रही है। इससे कूलर, फ्रीज और पंखों की बिक्री अधिक हो रही है। एक अनुमान के तहत पिछले वर्ष की अपेक्षा इस सीजन में गर्मी से राहत देने वाली सामानों की बिक्री में 20 से 30 प्रतिशत अधिक होने की संभावना है। गर्मी को देखते हुए जहां उच्च वर्ग के लोग सबसे ज्यादा एसी का डिमांड कर रहे है। वहीं मध्यम वर्ग के लोग कुलर व पंखा का ऑर्डर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाजार में ऑनलाइन मार्केटिंग के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानदारों की 10 से 15 प्रतिशत दुकानदारी प्रभावित हो रही है।

4500 से लेकर 15 हजार तक के कूलर उपलब्ध : ग्राहकों की मांग के अनुसार सभी रेंज के कुलर, पंखे, बैटरी इन्वर्टर के साथ एसी भी उपलब्ध है। इस संबंध में दुकानदारों ने बताया कि 4500 से लेकर 15 हजार रुपये तक ग्राहकों के लिए कूलर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि एसी भी डेढ टन का दाम 38 हजार से शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन्वर्टर बैटरी का डिमांड भी बढ़ गया है। गर्मी में बिजली कटने के कारण इसकी बिक्री में बढ़ोतरी हो जाती है।

कांग्रेस जिला कार्यालय के समीप भाजपा युवा मोर्चा ने किया पुतला दहन

सोनिया एवं राहुल गांधी दोनों घोटाले के सरदार: जिलाध्यक्ष

- नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के द्वारा चार्जशीट होने के बाद गर्म हुई राजनीति
- बोले कार्यकर्ता... जेल जाने से दोनों को कोई नहीं बचा सकेगा

केटी न्यूज/आरा

नेशनल हेराल्ड एवं एसोसिएटेड जनरल लिमिटेड से केस जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पहली चार्जशीट दाखिल करने के बाद देश में राजनीति गर्म है।

शुक्रवार की शाम को भारतीय जनता पार्टी के जिला युवा इकाई ने कांग्रेस कार्यालय के समीप आरा शहीद भवन मोड़ के पास कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ता एवं नेताओं के द्वारा जमकर नारेबाजी की। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विभु जैन समेत अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे ।

घोटालेबाजों को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी: भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विभु जैन ने कहा कि नेशनल हेराल्ड के केस में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी वादी है वो जेल जाकर रहेंगे। इन दोनों ने करोड़ों का घोटाला किया है, इन्होंने 350 शहीदों का अपमान करने का काम किया है। इन घोटालेबाजों को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। इसके विरोध में भाजपा युवा मोर्चा के तरफ से शहीद भवन मोड़ के पास दोनों का पुतला दहन किया गया। यह दोनों घोटाले के सरदार हो गए हैं एवं देश की जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। इनको सजा कानून दे रही है, जो इन लोगों ने घोटाला किया है उसके लिए इन्हे जेल जाना होगा। हमारे नरेंद्र मोदी के सरकार इन घोटालेबाजों को कभी छोड़ने का काम नहीं करेगी एक-एक कर सभी का पदार्फाश कर उन्हें सजा दिलाने का काम किया जाएगा।

इस दौरान बीजेपी के महामंत्री नरेंद्र तिवारी, राकेश सिंह, जिला मंत्री कुमार प्रतीक, रवि शंकर सिंह दीपक, राम प्रकाश पांडेय, अभिषेक सिंह, ऋतिक सिन्हा, राहुल श्रीवास्तव, कुमार रूपेश, अमलेश यादव, राहुल चंद्रवंशी, कुमार विजय, नीरज कुमार सिंह, आदि सिंह आदि, पीयूष कुमार, कौशल कुमार, राहुल मिश्रा और भारतीय जनता पार्टी के सोशल आईटी के प्रतीक चंद्रवंशी और बहुत से कार्यकर्ता उपस्थित थे

जिला महामंत्री बोले... कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी

भाजपा के जिला महामंत्री नरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। इसी कड़ी में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी ने नेशनल हेराल्ड में करोड़ों का घोटाला किया है। इसी को लेकर आज हम लोगों ने पुतला दहन करने का काम किया है। कांग्रेस के लोग हर घोटाले को फर्जी बताने का काम करते हैं। भाजपा नेता दीपक सिंह ने बताया कि नेशनल हेराल्ड घोटाले मामले में जिस तरीके से सोनिया एवं राहुल गांधी का नाम सामने आया है। इनकी यूपीए की सरकार घोटालो की सरकार थी। धीरे-धीरे सभी घोटालों का पदार्फाश हो रहा है। उनकी नीति और नियति थी कि घोटाला करो और राज्य करो। नरेंद्र मोदी की सरकार में सभी घोटालेबाजों का हिसाब किताब करने का बाद जेल के अन्दर भेजने का काम किया जाएगा।

फेयर एंड लवली क्रिम को लेकर भाभी से हुए झगड़े के बाद ननद ने पंखे से लटक दी जान

केटी न्यूज/आरा

जिले के चौरी थाना क्षेत्र के कोलोडीहरी गांव में गुरुवार की शाम भाभी से झगड़े के बाद गुस्से में आकर ननद ने पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली। घटना को लेकर गांव एवं आसपास की इलाके में सनसनी मच गयी है। जानकारी के अनुसार मृत किशोरी चौरी थाना क्षेत्र के कोलोडीहरी गांव निवासी इमामुद्दीन अंसारी की 16 वर्षीया पुत्री सोनी खातून है।

वह मैट्रिक पास कर पढ़ाई छोड़ दी थी। इधर, मृत किशोरी के परिजन द्वारा दूरभाष पर बात करने पर बताया कि वह अपने कमरे में एक फेयर लवली क्रीम रखी हुई थी, जिसे उसके भतीजे द्वारा अपने चेहरे में लगा लिया गया और शेष क्रीम को बर्बाद कर दिया गया। इसी को लेकर वह अपने भतीजे को मार रही थी। तभी उसकी भाभी वहां आई और कहने लगी की एक क्रीम के लिए तुम मेरे बेटे को क्यों मार रही हो। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तू-तू मैं-मैं हुई। जिसके बाद गुस्से में आकर उसने अपने कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली। कुछ देर बीत जाने पर जब परिजन ने उसके कमरे के दरवाजा को खटखटाया, तो उसने अंदर से कोई आवाज नहीं दी। परिजन ने खिड़की से झांककर देखा तो वह पंखे से लटक रही थी। इसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ उसके शव को नीचे उतर गया, जिसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत किशोरी अपने पांच भाई व एक बहन में पांचवें स्थान पर थी। उसके परिवार में मां जोहरा खातून व पांच भाई अमीरुद्दीन, जमीरउद्दीन, जुबेर, सेराज एवं मेराज है। घटना के बाद मृत किशोरी के घर में हाहाकार मच गया है. उसकी मां जोहरा खातून एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नाला निर्माण पर डीएम से संज्ञान लेने को लिखा पत्र

आरा। वीकेएसयू के नए कैंपस की जमीन पर मेडिकल कॉलेज के हो रहे निर्माण के मद्देनजर विवि की जमीन पर नाला निर्माण कराये जाने पर पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन ने डीएम को पत्र लिखा है। मुनमुन ने कहा है कि विवि की कुल जमीन में से 25 एकड़ जमीन मेडिकल कॉलेज को दी गई है। मेडिकल कॉलेज ने पहले तो विवि की शेष जमीन में रोड बनाने का कार्य शुरू किया, अब नाला निर्माण कराया जा रहा है। हालांकि विवि प्रशासन ने नाला निर्माण पर आपत्ति जताते हुए रोक लगा दी है। उन्होंने डीएम से इस मामले को गंभीरता से लेने की मांग की है। कहा कि जब मेडिकल कॉलेज को 25 एकड़ जमीन राज्य सरकार के कहने पर दे दी गई है, तो फिर मेडिकल कॉलेज विवि की जमीन पर रोड और नाला का निर्माण किसके आदेश से अतिक्रमण कर रहा है?

प. बंगाल में राष्ट्रपति शासन के लिए विहिप करेगा प्रदर्शन

आरा। विश्व हिंदू परिषद ने बंगाल में हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चुप्पी पर नाराजगी जतायी है। साथ ही हिंसा प्रभावित सीमावर्ती राज्य बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। इसके लिए विहिप 19 अप्रैल को देशवासी प्रदर्शन करेगा। विहिप के जिलाध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि उनका संगठन 19 अप्रैल को देश के सभी जिलों में बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करेगा। देश भर में बंगाल में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे हिंसा की निंदा की जायेगी ।बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की अपनी मांग को लेकर देश के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भोजपुर डीएम के माध्यम से ज्ञापन सौंपेगी।

हादसे में तीन बाइक सवार दोस्त जख्मी, एक की मौत

केटी न्यूज/आरा

इमादपुर थाना क्षेत्र के राजपुर मोढ़ी मोड़ के समीप बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर जिले के गुरुवार की रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार तीन दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हो गयी। इलाज के लिए पीरो पीएचसी ले जाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं, जख्मी दो युवकों का इलाज पीरो पीएचसी में कराया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक इमादपुर थाना क्षेत्र के जगजीवनापुर गांव निवासी चंद्रशेखर आजाद उर्फ धनजी का 25 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार है। वहीं, घायलों में तरारी थाना क्षेत्र के करथ गांव निवासी रामानंद मेहता का 25 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार एवं उसी गांव के निवासी शिवकुमार मेहता का 20 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार शामिल है। बताया जाता है कि तीनों इमादपुर थाना क्षेत्र के विशनपुर गांव के एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आये थे। गुरुवार की रात तीनों बाइक द्वारा बिशनपुर गांव से बिहटा गांव स्थित पंप पर पेट्रोल लेने जा रहे थे। इसी दौरान राजपुर मोढ़ी मोड़ के समीप किसी अज्ञात वाहन उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गये। अस्पताल में जख्मी मनीष कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं, जख्मी मृतक के दोस्त मनीष कुमार एवं चंदन कुमार का इलाज कराया जा रहा है। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। मामले में बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई में बड़ा था। उसके परिवार में मां आशा देवी एवं छोटा भाई विशाल कुमार है। मृतक के पिता पेशे से मजदूर हैं। घटना के बाद मृतक के घर में रोना-धोना मच गया है. उसकी मां एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाबा साहेब के जयंती पखवाड़ा पर भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी आयोजित, बोले जिलाध्यक्ष...

कांग्रेस ने बाबा साहब को अपमानित करने और नीचा दिखाने का नहीं छोड़ा कोई मौका

केटी न्यूज/आरा

शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी भोजपुर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 21 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पखवाड़ा के तहत जिला कार्यालय बैंपली आरा में संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विधान परिषद सदस्य अनिल शर्मा एवं अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक भाग लेंगे।

संगोष्ठी की तैयारी के लिए जिला उपाध्यक्ष सूचकांक पांडेय, ज्योति प्रकाश कुशवाहा व ठाकुर दयाल राम के नेतृत्व में तैयारी समिति बनाई गई है। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब के सपने और संविधान को चकनाचूर करने वाली कांग्रेस आज संविधान की दुहाई दे रही है। जबकि यही कांग्रेस ने बाबा साहब को अपमानित करने व उनको नीचा दिखाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा है और तो और उनके मृत्यु के उपरांत उनके दाह संस्कार के लिए दिल्ली में जगह उपलब्ध नहीं कराई गई। जबकि वे पूर्व केंद्रीय मंत्री भी रह चुके थे, बाध्य होकर उनके परिजनों ने मुंबई में दाह संस्कार करने का निर्णय लिया। जिस विमान से शव भेजा गया, उस विमान का किराया वसूली हेतु उनकी पत्नी को किराया बिल थमा दिया गया। उसी कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोटकर देश में आपातकाल लागू किया और लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जेलों के अंदर डाल दिया और उन पर अनेक तरह की यातनाएं की अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर कई राज्य की चुनी हुई सरकारों को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाया।

वहीं, भाजपा ने बाबा साहब को सम्मान भारत रत्न तथा उनके द्वारा अपने जीवन काल में व्यतीत किए गए जगह को पंच तीर्थ बनाने का कार्य किया। बैठक में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष राम दिनेश यादव, सूर्यकांत पांडेय, ज्योति प्रकाश कुशवाहा, निशांत सेंगर, महामंत्री संतोष कुमार चंद्रवंशी, राजेंद्र तिवारी, संजय सिंह, सुनील कुमार श्रीवास्तव व अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मौसम विभाग का अलर्ट, जारी रहेगा तूफान और बिजली का कहर, 20 अप्रैल तक होगी झमाझम बारिश

रांची, एजेंसी। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण झारखंड में मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। मौसम विभाग ने पूरे राज्य में बारिश, तेज हवा, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना को लेकर 20 अप्रैल तक यलो अलर्ट जारी किया है। रांची व आसपास के जिलों के अलावा राज्य के अधिकांश हिस्सों में हुई वर्षा के बाद जहां मौसम सुहावना हो गया है। वहीं, गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचने की बात सामने आ रही है। विशेषकर वैसे किसान जिन्होंने देर से गेहूं की फसल लगाई थी, उनके बीज के अंकुरित होने का खतरा मंडराने लगा है।

इस वर्षा से आम और लीची की खेती कर रहे किसानों को अच्छा खासा लाभ पहुंचा है। लाही कीट से आम और लीची को बचाना जहां आसान हो गया है। वहीं, इन फलों के रसदार होने की संभावना भी बढ़ गई है।

बता दें कि मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने पूर्वानुमान जारी करते हुए 20 अप्रैल तक किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि राज्य के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र यानी पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़ बाकी जिलों में मेघगर्जन के साथ 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहने की संभावना है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि तेज हवा बहने के साथ कहीं कहीं बिजली गिरने की भी संभावना है। इसे मद्देनजर रखते हुए उन्होंने बाहर न निकलने, पेड़ के नीचे नहीं रहने, इलेक्ट्रानिक गैजेट्स का प्रयोग न करने की सलाह दी है।

झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान लगभग सभी जगहों पर मेघगर्जन एवं आंधी के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा हुई है। राजधानी रांची का अधिकतम 30.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 17.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सबसे अधिक वर्षापात 42 मिमी खूंटी में रिकॉर्ड की गई, जबकि सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज का और सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस धनबाद में रिकॉर्ड किया गया।

धर्म बदल लेंगे 118 परिवार, 11 गांव के लोगों ने दी चेतावनी

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर में 118 परिवारों ने सामाजिक बहिष्कार पर बड़ा निर्णय लेने की तैयारी कर ली है। डुमरिया प्रखंड के 11 गांवों के 118 परिवारों का ग्राम प्रधान ने सामाजिक बहिष्कार कर दिया है। इससे पीड़ित ग्रामीणों ने गुरुवार को डीसी ऑफिस पहुंचकर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। न्याय नहीं मिलने पर उन्होंने धर्म परिवर्तन की चेतावनी दी है।

इन सभी के ग्राम प्रधानों ने अलग-अलग कारणों से इन्हें बहिष्कृत कर दिया है। ये सभी इस मामले में न्याय के लिए पहले सांसद और फिर सांसद की चिट्ठी लेकर उपायुक्त से मिलने पहुंचे थे। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी थीं। उपायुक्त की अनुपस्थिति में उन्होंने जिला योजना पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई। सामाजिक रूप से बहिष्कृत लोगों में से एक छोटा अस्ती गांव के सोनाराम हेम्ब्रम ने बताया कि वे सभी लोग अलग-अलग कारणों से बहिष्कृत किए गए हैं। उनके गांव के 12 परिवारों को इसलिए बहिष्कृत कर दिया गया, क्योंकि उनलोगों ने पूर्णिमा के दिन सोहराय पर्व मनाया था।

चाकड़ी के 60 परिवार सहित मरांगसंघा, बादलगोड़ा, कासालीडीह, बोमरो, कोलाबरिया, मेरालडीह और कुदुरसाई आदि गांवों के लोग वर्षों से बहिष्कार का दंश झेल रहे हैं। इसी प्रकार भागवत सोरेन और कुदाय माझी ने बताया कि बहिष्कार की वजह से वे लोग सभी प्रकार की सरकारी सुविधाओं से वंचित हैं। उनके धार्मिक कार्य भी बंद है, क्योंकि उन्हें जाहेरथान में घुसने नहीं दिया जाता है। उनका हुक्का-पानी बंद है, इसलिए उनसे अगर पड़ोस के किसी परिवार ने बात भी कर ली तो प्रधान उनका भी बहिष्कार कर देता है। उन्होंने अब पूरे प्रखंड के लिए एक ही प्रधान की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि वे एक साल से बीडीओ, एसडीओ से लेकर सभी अफसरों से न्याय मांग चुके हैं। लेकिन अबतक उनकी बात नहीं सुनी गई है। इसलिए वे अब 15-20 दिन और इंतजार करेंगे। इसके बाद धर्म परिवर्तन कर लेंगे। और इसकी पूरी जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी।

ईएसआई कामगारों के लिए बड़ी सौगात, आयुष्मान अस्पतालों में करवा सकेंगे मुफ्त इलाज

रांची, एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआइसी) से बीमित कामगार परिवारों का इलाज ईएसआइसी के अस्पतालों, डिस्पेंसरियों तथा इससे सूचीबद्ध दो हजार से अधिक अस्पतालों के अलावा आयुष्मान भारत से सूचीबद्ध किसी भी अस्पताल में हो सकेगा।

बीमित कामगार किसी भी आयुष्मान भारत से सूचीबद्ध अस्पताल में अपना और अपने परिवार का इलाज करा सकेंगे। केंद्रीय मंत्री गुरुवार को रांची के नामकोम स्थित ईएसआइसी के 220 बेड के अस्पताल के उद्घाटन के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि देशभर में 3.77 करोड़ कामगारों के लिए ईएसआइसी के 165 अस्पताल, 1500 डिस्पेंसरियां तथा दो हजार से अधिक अस्पताल सूचीबद्ध हैं। अब इसमें आयुष्मान भारत से सूचीबद्ध अस्पताल भी जुड़ गए हैं।

अपने संबोधन में डॉ. मांडविया ने कहा कि शीघ्र ही इस अस्पताल में 50 सीटों का मेडिकल कॉलेज भी शुरू होगा, जिससे तीन लाख से अधिक श्रमिकों को सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल केवल एक इमारत नहीं है, बल्कि यह हमारे श्रमिकों की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। कोविड महामारी के बाद किए गए सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही 60 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत

योजना के तहत प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज हो रहा है। अब किसी गरीब को इलाज के लिए साहूकारों के पास जाना नहीं पड़ता है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. मांडविया ने ईएसआइ के लाभार्थियों को सम्मानित किया और उन्हें नकद लाभ स्वीकृति पत्र प्रदान किए। उन्होंने इस अस्पताल के निर्माण में सम्मिलित रहे श्रमिकों को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल केवल एक भवन नहीं, बल्कि एक मंदिर है। यहां कार्यरत सभी चिकित्सक और कर्मचारी पुजारी के समान हैं और जो भी मरीज यहां आते हैं, वे हमारे लिए भगवान के समान हैं। हम उनकी पूरी सेवा श्रद्धा और समर्पण के साथ करेंगे।

इस अवसर पर सांसद प्रदीप वर्मा, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की चिकित्सा आयुक्त दीपिका गोविल, क्षेत्रीय बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा तथा ईएसआइसी के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। समारोह में उपस्थित केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि नया भारत न तो पीठ दिखाता है और न ही किसी दूसरे देशों के समक्ष हाथ फैलाता है। उन्होंने कोरोना टीका को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि कई देशों में जब पोलियो का उन्मूलन हो गया था तो उसके 12-20 वर्षों बाद भारत में पोलियो का टीका आया था।

नए भारत ने कोरोना का टीका दूसरे देशों को देने का काम किया। भारत अब दूसरों को देनेवाला राष्ट्र बन गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के विरुद्ध युद्ध के सेनापति मांडविया ही थे। जून 2018 में 200 बेड वाले अस्पताल के नए भवन निर्माण को मंजूरी मिली थी। 31 मई 2018 को निर्माण शुरू हुआ। - ईएसआइसी ने अक्टूबर 2024 में 50 एमबीबीएस सीटों वाले मेडिकल कॉलेज की स्थापना को भी मंजूरी दी, जिसका संचालन निकट भविष्य में शुरू होने वाला है। अस्पताल में सामान्य चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, स्त्री रोग, अस्थि रोग, नेत्र रोग (आंख) और दंत चिकित्सा जैसे आवश्यक विभागों के साथ-साथ विभिन्न सहायक सेवाएं भी उपलब्ध हैं। अस्पताल परिसर में एक बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और चार अतिरिक्त मंजिलें हैं, जो 7.9 एकड़ के परिसर में फैली हुई हैं।

चार मंजिला अस्पताल भवन का निर्माण 99.06 करोड़ की लागत से किया गया है और यह 17,559 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें तीन आधुनिक ऑपरेशन थियेटर (ओटी) हैं, एक अतिरिक्त ऑपरेशन थियेटर (ओटी) का और प्रविधान है। इसमें 34 वार्ड और 6 आइसोलेशन वार्ड, 40 ओपीडी कमरे और सभी डॉक्टरों, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पर्याप्त जगह मुहैया कराया गया है।

सरायकेला-खरसावां में पत्थर से कूचकर युवक की हत्या के तीन आरोपी धराये

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली थाना अंतर्गत ताजनगर में बीते 15 अप्रैल को एक युवक की पत्थर से कूचकर हत्या का मामला पुलिस ने उजागर कर दिया है. मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों में मो सलाउद्दीन, मो अब्दुल अंसारी उर्फ सोनू और मो कालीन शामिल है. आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईट-पत्थर और मृतक का एक टूटा हुआ फोन बरामद किया गया है.

अनुमंडल पुलिस कार्यालय में शुक्रवार को पत्रकारों को घटना की जानकारी देते हुए एसडीपीओ अरविंद कुमार विन्हा ने बताया कि, कपाली के अंसारनागर डैमडूबी बस्ती निवासी मो हुसैन की बीते 15 अप्रैल को पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गयी थी. मामले में मृतक की पत्नी अरीबा परवीन ने कपाली थाना में दो नामजद अभियुक्त मो शाहबाज और अफाक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया था. मामला दर्ज कर पुलिस त्वरित घटना की जांच में जुट गयी थी.

पुलिस ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की. मामले की जांच के दौरान जुटे साक्ष्य के आधार पर

तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार आरोपियों में मो सलाउद्दीन, मो अब्दुल अंसारी उर्फ सोनू और मो कालीन शामिल है. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईट-पत्थर और मृतक का एक टूटा हुआ फोन बरामद किया है. एसडीपीओ ने बताया कि मो सलाउद्दीन पर पहले से धारा 307 के तहत हत्या की कोशिश और हत्या करने का आरोप है. घटना में संलिप्त अन्य लोगों की जांच की जा रही है. प्रेस वार्ता के दौरान चांडिल सर्किल इंस्पेक्टर अजय कुमार, कपाली ओपी प्रभारी सोनू कुमार, कौशल कुमार, हीरालाल मुंडा, मनोज मिश्रा एवं अन्य उपस्थित रहें.

हजारीबाग में गुमटी पर बैठे युवक को मारी 4 गोली

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में बीती रात बाइक सवार तीन अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। युवक को चार गोली लगी है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना बरकट्ठा गोरहर थाना क्षेत्र बंडासिंघा शिवमंदिर के पास की है। वहीं, घायल युवक के पिता के अनुसार, सरस्वती पूजा के दौरान छेड़छाड़ का बेटे ने विरोध किया था। इसी बात पर उसे मारने की धमकी दी गई थी। यह घटना उसी विवाद से जुड़ा लग रहा है।

घायल की पहचान अनूप यादव (30) के रूप में की गई। जख्मी ने बताया कि वो शिवमंदिर के निकट एक गुमटी में बैठा था। तभी एक बाइक पर सवार तीन लोग आए और धडाधड़ चार गोली मार कर फरार हो गए। बाइक पर सवार हरिओम सिंह (पिता लक्ष्मी सिंह), सचिन पाण्डेय (पिता बीरेंद्र पांडेय) व एक अन्य था। घायल के पिता बैजनाथ यादव ने बताया कि जिनपर अनूप

यादव को गोली मारने का आरोप लगा है, वह पूर्व में भी आपराधिक मामले में रांची जेल से बाहर आए हैं।

पिता ने बताया कि सरस्वती पूजा में छेड़छाड़ के दौरान मना करने पर अनूप को धमकी दी गई थी। इसको लेकर थाना को भी सूचना दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे अपराधियों का मन बढ़ा। इधर, गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार ने कहा कि गोली लगने की सूचना है। अपराधी को पकड़ा जाएगा।

वहीं, तीन दिन पहले हजारीबाग के इचाक थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप के मैनेजर शंकर कुमार (36) की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। फिर बाइक की डिक्की में रखे लाखों रुपए लूट लिए थे। इस मामले में अब तक पुलिस हत्यारों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

सीपी सिंह वह गिद्ध हैं, जो हमेशा लाश नोंचने..., विधायक के बयान पर भड़के मंत्री इरफान अंसारी

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रांची से भाजपा के विधायक सीपी सिंह पर गुरुवार को जोरदार हमला बोला।

उन्होंने सीपी सिंह द्वारा कसाई कहे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वे बुजुर्ग व्यक्ति हैं, लेकिन उन्हें सामान्य शिष्टाचार और भाषा का ज्ञान नहीं है। उनको हर मुसलमान कसाई नजर आता है। सीपी सिंह जैसे लोग झारखंड के अमन-चैन और सुख-शांति के लिए खतरा हैं।

सीपी सिंह वह गिद्ध हैं, जो हमेशा लाश नोंचने की फिराक में रहता है। ऐसा लगता है कि भाजपा की राजनीति में किनारा कर दिए जाने के बाद वे घोर निराशा के दौर में हैं। उनकी ऐसी खराब स्थिति के लिए वे उनसे सहानुभूति रखते हैं।

अगर सीपी सिंह चाहें तो वे स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते उनका उपचार स्वयं रिनपास लेकर जाने को तैयार हैं। सीपी सिंह का मानसिक उपचार काफी आवश्यक है। मुस्लिमों से उन्हें इतनी नफरत है कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में मौजूद मुस्लिम इलाकों में झांकते तक नहीं हैं।

मंत्री इरफान ने कहा कि ऐसे लोगों को जनप्रतिनिधि रहने का अधिकार नहीं है, जो अपने क्षेत्र के लोगों को जाति, धर्म के आधार पर भेदभाव की नजर से देखता है। सीपी सिंह अगर सच्चाई जानना चाहते हैं तो उन्हें इतिहास का अध्ययन करना चाहिए।

हेमंत सोरेन का बड़ा ऐलान, झारखंड के सरकारी कर्मचारियों का होगा 1 करोड़ का बीमा

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में गुरुवार को वित्त विभाग और भारतीय स्टेट बैंक के बीच राज्य सरकार के कर्मचारियों के सैलेरी पैकेज को लेकर एमओयू हुआ। इस पर वित्त विभाग की विशेष सचिव राजेश्वरी बी और भारतीय स्टेट बैंक के उपमहाप्रबंधक देवेश मित्तल ने हस्ताक्षर किए। एमओयू के तहत जिन सरकारी कर्मचारियों का सैलरी अकाउंट एसबीआई में होगा, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक करोड़ रुपए तक का दुर्घटना बीमा समेत स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा और कई अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकारी कर्मियों को आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में आज नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। दुर्घटना बीमा राज्य कर्मियों को सेवा काल के दौरान दुर्घटना में मौत होने पर उनके परिजनों को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा एसबीआई के साथ एमओयू केवल एक समझौता नहीं, बल्कि यह सीएम के नेतृत्व वाली सरकार की अपने राज्य कर्मियों के कल्याण, सम्मान, सुरक्षा और विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस अवसर पर मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव वंदना दादेल, एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक (झारखंड -बिहार) केबी बंगारराजू और महाप्रबंधक प्रभाष बोस मौजूद रहे।

सरकारी कर्मियों को दे रहे आर्थिक सुरक्षा

सीएम ने कहा कि आर्थिक सुरक्षा हो या फिर स्वास्थ्य

या जीवन सुरक्षा, हमारी सरकार सभी सरकारी कर्मियों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर दूरदर्शी सोच और संवेदनशीलता से कार्य कर रही है। जैसे सरकार को आपकी चिंता है, वैसे अब झारखंड जैसे पिछड़े राज्य में एसबीआई जैसी संस्थाएं सहयोग के लिए आगे आ रही हैं।

राज्य के विकास में कर्मचारियों का अहम रोल– सीएम ने कहा कि राज्य कैसे आगे बढ़े, इसके लिए नीति निर्धारण से लेकर कार्य योजनाओं को धरातल पर उतारने का माध्यम सरकारी कर्मचारी बनते हैं। ऐसे में सरकारी कर्मियो का मनोबल बढ़ाने के साथ, उन्हें कार्य करने के लिए बेहतर वातावरण दिया जा है। सरकारी कर्मचारी भी राज्य हित में अपने कार्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करें।

महिला क्रिकेट में पश्चिमी सिंहभूम ने रचा इतिहास:जमशेदपुर को 77 रनों से हराकर फाइनल में पहुंची

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ की अंतर जिला महिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने जमशेदपुर को 77 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में पश्चिमी सिंहभूम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने 40 ओवर में 160 रन बनाए। रश्मि गुड़िया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 52 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान प्रियंका सवैयाँ ने 5 चौकों की मदद से 48 रन की पारी खेली। जमशेदपुर की गेंदबाजी में पल्वजीत कौर ने 4 विकेट लिए। सिमरन निशा मंसूरी को 3 और पल्विका राठौड़ को 2 विकेट मिले।

इधर, लक्ष्य का पीछा करते हुए जमशेदपुर की टीम 39 ओवर में सिर्फ 83 रन बनाकर आउट हो गई। टीम की ओर से कुमारी सविता ने सर्वाधिक 26 और पल्विका राठौड़ ने 10 रन बनाए। पश्चिमी सिंहभूम की अनामिका कुमारी ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 19 रन देकर 4 विकेट झटके। सीता सिंकु ने 2 विकेट लिए। इसरानी सोरेन, चाँदमुनि पुरती, प्रियंका सवैयां और अंजलि दास को 1-1 विकेट मिला। अनामिका कुमारी को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें 5 हजार रुपए का नकद पुरस्कार मिला। पश्चिमी सिंहभूम की टीम का फाइनल मुकाबला 19 अप्रैल को रांची से होगा। जिला क्रिकेट संघ के महासचिव ने टीम को फाइनल में पहुंचने पर 5 हजार रुपए देने की घोषणा की है।

एक्शन में मंत्री इरफान अंसारी, जीएम को नौकरी से निकालने के बाद रिम्स निदेशक को पद से हटाया

रांची, एजेंसी। राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची के निदेशक डॉ. राज कुमार पद से हटा दिए गए हैं। रिम्स की शासी परिषद के अध्यक्ष सह राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी किया।

निदेशक को पद से हटाने संबंधित प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी अनुमोदन प्राप्त है। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि निदेशक, रिम्स के पद पर कार्यरत रहने के दौरान डॉ. राज कुमार ने मंत्रिपरिषद, शासी परिषद तथा विभाग द्वारा लोकहित में दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया।

रिम्स अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित उद्देश्यों को पूर्ण करने में डॉ. राज कुमार की सेवा संतोषजनक नहीं पाई गई। उन्हें तीन महीने का वेतन और भत्ता देते हुए तत्काल प्रभाव से निदेशक, रिम्स के पद से हटाया

जाता है।

रिम्स में तैनाती से पूर्व डॉ. राज कुमार न्यूरो सर्जरी विभाग, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, लखनऊ में प्राध्यापक के पद पर तैनात थे। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री की कार्रवाई जद में बुधवार को झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोक्योरमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के जीएम प्रोक्योरमेंट नीलरंजन सिंह आए थे। मंत्री ने उन्हें पुरानी योजनाओं पर धीमी गति से काम करने और अनियमितता के आरोप में तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करने का आदेश दिया था।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवा आपात सेवा के दायरे में आता है। इसमें लापरवाही और अनुशासनहीनता राज्य सरकार किसी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगी, जो भी अधिकारी और कर्मी काम नहीं करेगा, वह स्वास्थ्य विभाग में नहीं रहेगा।

बेहतर होगा कि अधिकारी और कर्मी समय रहते हुए अपनी कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार लाए। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में राज्य में चौबीस घंटे कार्य चल रहा है। ऐसे में किसी प्रकार की कोताही अगर अधिकारी करते हैं तो निश्चित तौर पर कार्रवाई होगी।

इरफान अंसारी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उन्हें झामुमो का केंद्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री का विदेश दौरा राज्य में निवेश और विकास के द्वार खोलेगा। सरकार समग्र विकास की परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रही है।

सुभाषितम्

बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है। - शंकराचार्य

राष्ट्रपति के पास हाथी के दांत

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की है। उस आदेश पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा है कि अदालत राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती है। उपराष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिले सुप्रीम कोर्ट को विशेष अधिकार की गलत व्याख्या करते हुए कहा, लोकतांत्रिक शक्तियों के लिये यह अधिकार न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। संविधान का अनुच्छेद 142 ,भारत के सुप्रीम कोर्ट को विशेष अधिकार देता है। पूर्ण न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट किसी भी मामले में कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है। धनखड ने कहा लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सर्वोच्च होती है। उन्होंने कहा, सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है। धनखड़ ने कहा राष्ट्रपति देश का सबसे सर्वोच्च पद है। संविधान के अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या का अधिकार सुप्रीम कोर्ट के पास है। उनका आरोप है, सुप्रीम कोर्ट के जज सुपर संसद की तरह काम कर रहे हैं। संविधान की रक्षा और न्यायपालिका की सर्वोच्चता को बनाए रखने के लिए कार्यपालिका और विधायिका की तरह कोई अधिकार न्यायपालिका को संविधान ने नहीं दिए हैं। ब्रह्मा विष्णु महेश की तर्ज में सुप्रीम कोर्ट सर्वोपरि है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करना विधायिका और कार्यपालिका के लिए अनिवार्य है। नागरिकों के मौलिक अधिकार और संघीय व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखने की जिम्मेदारी संविधान ने न्यायपालिका को दी है। न्यायपालिका जब भी कोई आदेश देती है] वह संविधान के प्रावधानों की समीक्षा करती है ! समीक्षा करने के बाद वह निर्णय करती है। इसके पहले भी विधायिका द्वारा कई ऐसे कानून जो संविधान संवत नहीं थे। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन था। संविधान की मूल भावना के अनुरूप नहीं थे। उन्हें समय - समय पर निरस्त किया है। राम मंदिर का जो फैसला आया, वह भी सुप्रीम कोर्ट ने तथ्यों के आधार पर न देकर विशेष अधिकार का उपयोग कर यह विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो। इसको ध्यान में रखते हुए दिया है। संघीय व्यवस्थाओं का पालन नहीं करते हुए राज्यपाल मनमानी कर रहे थे । राज्य की विधानसभाओं से पारित विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे थे। राज्यपाल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों और आदेशों का पालन नहीं कर रहे थे। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपाल को समय सीमा तय कर संविधान के अनुरूप निर्णय करने की समय -सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करना राज्यपाल और राष्ट्रपति के साथ-साथ केंद्र सरकार के लिए भी आवश्यक है। भारत का राष्ट्रपति मंत्रिमंडल की सलाह पर काम करता है। राष्ट्रपति को संविधान ने कोई अलग से अधिकार नहीं दिए हैं। संविधान ने राष्ट्रपति को कुछ मामलों में ही विशेष अधिकार दिए हैं। जब केंद्र में किसी राजनीतिक दल को बहुमत प्राप्त न हो, सरकार बनाने के लिए राष्ट्रपति अपने विशेष अधिकारों का उपयोग करते हुए सरकार का गठन कर सकता है। उसके बाद उसे केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर ही काम करना होता है। संविधान में संविधानिक दायित्व निभाने का भार तीनों संस्थानों का है। विधायिका और कार्यपालिका के पास असीम शक्तियां हैं। न्यायपालिका के पास संविधान के अनुसार बने नियम कानून के अनुसार काम हो रहा है, या नहीं। इसकी समीक्षा कर आदेश देने की शक्तियां न्यायपालिका के पास हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। इसका मतलब यह नहीं होता है, वह जजों के मालिक बन गए हैं। उपराष्ट्रपति धनखड स्वयं वकील हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में संवैधानिक संस्था में विराजमान है। राज्यसभा के सभापति हैं, यदि वह संविधान की गलत व्याख्या करेंगे, तो हंसी का पात्र बनेंगे। होना तो यह चाहिए था, उन्हें इस मामले में कोई बयान नहीं देना चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक रूप से बयान देकर न्यायपालिका और अपने पद की गरिमा को घटाने का काम किया है। भारत में जिस तरीके की स्थिति देखने को मिल रही है। रोजाना नियम और कानून की धज्जियां स्वयं सरकारों द्वारा उड़ाई जा रही हैं। संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। सरकार ने न्यायपालिका को पंगु बनाकर रख दिया है।

चिंतन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए। कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयार्दा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए। गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी। मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए।

गोबर, गुस्सा और विश्वविद्यालय की गिरती गरिमा

-प्रियंका सौरभ

दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा क्लासरूम और प्रिंसिपल के घर पर गोबर लिपने की घटना केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि एक गहरी असंतोष की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति थी। इस विरोध ने सत्ता और शिक्षा व्यवस्था के पाखंड को उजागर किया – जहां एक ओर गोबर को सांस्कृतिक प्रतीक माना जाता है, वहीं जब छात्र उसी प्रतीक का इस्तेमाल विरोध में करते हैं, तो उसे ह्यअसभ्यह्व करार दिया जाता है। विश्वविद्यालय अब संवाद के नहीं, सत्ता के मंच बनते जा रहे हैं, जहां छात्रों की असहमति को दबाया जाता है। इस असामान्य विरोध ने न केवल व्यवस्था की संवेदनहीनता पर सवाल खड़े किए, बल्कि यह भी बताया कि प्रतीकों के जरिए भी तीखा प्रतिरोध संभव है। जब असहमति की जगह छिन जाती है, तो गुस्सा प्रतीकों के जरिए बोलता है – और कभी-कभी गोबर से भी। दिल्ली विश्वविद्यालय, जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल ही में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने क्लासरूम की दीवारों पर गोबर लिपा और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया। यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव – यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक वक्तव्य। यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती हैः क्या विश्वविद्यालय अब सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं? क्या छात्र आंदोलन केवल विचारों से नहीं, अब गंध से भी संवाद करने लगे हैं?

घटना के पीछे की कथा

यह विरोध दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस स्थित एक कॉलेज में हुआ, जहां छात्रों ने गोबर लिपकर क्लासरूम को ह्यपवित्रह्व करने की कोशिश की। दरअसल, यह पवित्रता का तंज था – एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र ह्यअपवित्रह्व मानते हैं। कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय, और प्रशासन की असंवेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लिपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया।

गोबरः विरोध का प्रतीक या व्यंग्य?

भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवनशैली के प्रतीक के रूप में होता आया है। लेकिन इस मामले में इसका प्रयोग गहराई से व्यंग्यात्मक था। यह एक ऐसा प्रतीक था जो न केवल सत्ता की पवित्रता को उलट देता है, बल्कि यह दिखाता है कि छात्र अब विरोध के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर, सत्ता की भाषा को उसके ही प्रतीकों से जवाब दे रहे हैं।

यह विरोध दरअसल उस छद्म सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर चोट करता है जो गाय, गोबर और गंगाजल को पवित्र मानता है, लेकिन दलित, आदिवासी, और वंचित समुदायों की पीड़ा को अपवित्र विषय मानता है।

विश्वविद्यालयः ज्ञान का केंद्र या सत्ता की चौकी?

भारतीय विश्वविद्यालय धीरे-धीरे उस विचारभूमि से हटते जा रहे हैं जहां असहमति को प्रोत्साहन मिलता था। आज यदि कोई छात्र या प्रोफेसर सत्ता के खिलाफ बोलता है, तो उसे राष्ट्रविरोधी, गद्दार, या विकास-विरोधी कहा जाने लगता है। कैंपस अब लोकतांत्रिक संवाद के केंद्र नहीं, बल्कि अनुशासन और डर के घेरे बनते जा रहे हैं। छात्रों के इस कदम को केवल ह्यअसभ्यताह्व कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह भूलना नहीं चाहिए कि यह घटना उस निराशा और हताशा की उपज है जो वर्षों से भीतर ही भीतर सुलग रही है। जब संवाद के सारे रास्ते बंद कर दिए जाते हैं, तो प्रतीकात्मक और चौंकाने वाले कदम ही एकमात्र विकल्प बनते हैं।

यह विरोध हिंसक नहीं था, लेकिन सुगंधित भी नहीं था

निश्चित रूप से, गोबर से दीवारें लिपना किसी भी संस्थान के लिए एक अनुशासनहीन हरकत मानी जाएगी। लेकिन यह भी सोचना होगा कि जब छात्र अपनी बात कहने के लिए इतना असामान्य तरीका अपनाते हैं, तो समस्या केवल छात्रों में नहीं, व्यवस्था में भी है। वे किस हद तक खुद को असहाय और अनसुना समझते हैं, यह इस घटना से जाहिर होता है। यह विरोध न तो हिंसक था, न ही शारीरिक नुकसान पहुँचाने वाला। लेकिन यह मानसिक और सांस्कृतिक असहजता पैदा करने वाला जरूर था। शायद यही इसका उद्देश्य भी था – लोगों को हिलाकर रख देना, ध्यान खींचना, और एक झटके में सत्ता की नकली गरिमा को धूल-गोबर में मिला देना।

प्रिंसिपल का घरः एक नया प्रदर्शन स्थल

छात्रों का प्रदर्शन प्रिंसिपल के निजी घर तक पहुँचना न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि यह दशार्ता है कि छात्रों को अब संस्थागत दायरे में न्याय की उम्मीद नहीं रही। जब कॉलेज के भीतर के मंच निष्क्रिय हो जाते हैं, तो विरोध निजी दायरे तक पहुँच जाता है। यह खतरनाक संकेत है – न केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी।

मीडिया का व्यवहारः गोबर दिखाओ, गंभीरता नहीं

मीडिया ने इस घटना को सनसनीखेज ढंग से दिखाया – छात्रों ने लिपा गोबर !, गाय के नाम पर राजनीति फिर से ! – लेकिन दुर्भाग्यवश किसी ने यह नहीं पूछा कि छात्र ऐसा क्यों कर रहे हैं? किस घटना ने उन्हें इस हद तक पहुंचाया? किसने संवाद के रास्ते बंद किए? मीडिया अक्सर लक्षणों पर बहस करता है, लेकिन बीमारी की जड़ तक नहीं जाता।

सत्ता का दोहरापन

सत्ता जब गाय और गोबर को संस्कृति का हिस्सा मानकर उन्हें नीतियों में शामिल करती है – जैसे गोबर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना, पंचगव्य को चिकित्सा बताना – तब वह धर्म-सम्मत होता है। लेकिन जब यही प्रतीक छात्रों के विरोध में आते हैं, तो वे अश्लील और असभ्य बन जाते हैं। यही सत्ता का दोहरापन है। छात्रों का यह विरोध सत्ता के इस पाखंड की पोल खोलता है – यह दिखाता है कि सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग केवल सत्ता के लिए सुरक्षित नहीं है, बल्कि आम जनता भी उन्हें विरोध के औजार बना सकती है।

हिंसा के बीच योगी का ममता पर फायर

- बीपी गौतम

भारत की संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ है, इसके बावजूद मुस्लिम समुदाय को खुश करने के उद्देश्य से विपक्ष द्वारा आक्रामक बयानबाजी की जा रही है, जबकि उच्चतम न्यायालय समूचे प्रकरण पर सुनवाई कर रहा है, फिर भी ममता बनर्जी ने कह दिया कि नया वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होगा, इससे भारत विरोधी शक्तियों का मनोबल बढ़ा, उन्होंने उपद्रवियों के सहारे पश्चिम बंगाल में आग लगाने का प्रयास किया, जो कुछ हद तक सफल भी हुये। ममता बनर्जी संवैधानिक दायित्व संभाल रही हैं, उनकी भाषा शैली भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्य रखने वाली होनी चाहिये, इसीलिये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को उन पर फायर करने का अवसर मिल गया, वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की संस्तुति से कानून बन चुका है। केंद्र सरकार ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड, सुन्नी वक्फ काउंसिल सहित कई संगठन नये कानून का विरोध कर रहे हैं, जिसको लेकर देश में अलग-अलग जगह प्रदर्शन हुये हैं लेकिन, पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन हिंसक हो गये। हालांकि पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन विधेयक जब संसद में पेश हुआ, उसी समय विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये थे, जिसने 8 अप्रैल को हिंसक रूप ले लिया। 8 अप्रैल को मुर्शिदाबाद से लगे राष्ट्रीय राजमार्ग- 12 को जाम करने के लिये कट्टरपंथी प्रदर्शन कर रहे थे, इसी दौरान मार्च जंगीपुर से उमरपुर की ओर बढ़ा, पुलिस ने उन्हें रोका तो, कुछ प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हो गई, इसके बाद उपद्रवियों ने पुलिस वाहनों में तोड़-फोड़ कर दी और कुछ वाहनों में आग लगा दी, साथ ही पुलिस पर पत्थरबाजी भी की गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिये आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया, इसके बाद हिंसा मुर्शिदाबाद के बनियापुर और उमरपुर तक फैल गई, जहां कट्टरपंथियों ने घरों में भी तोड़फोड़ की, इसके बाद शुक्रवार 11 मार्च को जुमे की नमाज के बाद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और फिर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, इसी दौरान उन्होंने एक बार फिर नेशनल हाईवे- 12 पर जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस पहुंची तो, उस पर उपद्रवियों ने पत्थरबाजी कर दी, कई पुलिस वैन आग के हवाले कर दीं, सार्वजनिक बसों में भी तोड़-फोड़ की और उनमें आग लगा दी, साथ ही उपद्रवियों ने पुलिस पर बम फेंके, जिसके चलते भयभीत पुलिसकर्मियों को मस्जिदों में शरण लेनी पड़ी, इसके बाद जिला प्रशासन को स्थिति काबू में करने के लिये सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मदद लेनी पड़ी लेकिन, तब तक हिंसा पड़ोस के जिलों में भी फैल गई। मालदा में प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक जाम कर दिये। न्यू फरक्का से अजीमगंज के सेक्शन पर ट्रेनों को पूरी तरह रोक दिया गया, इसके बाद दो ट्रेनें रद्द करना पडीं और पांच ट्रेनों के रास्ते बदलने पड़े, रेलवे स्टेशन में भी तोड़-फोड़ की घटनायें हुईं। मुस्लिम बाहुल्य मुर्शिदाबाद जिले में हुई झड़पों में पिता-पिता पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई। दो लोगों की मौत समसेरगंज में और एक की मौत मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान हुई। समसेरगंज में पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई थी। हिंसा के बाद पुलिस ने अब तक 210 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी की है, वहीं अन्य उपद्रवियों को पकड़ने के लिये छापेमारी की जा रही है।

उच्च न्यायालय ने दिया केंद्रीय बल की तैनाती का आदेश

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर कार्रवाई करते हुये प्रभावित क्षेत्रों में सीएपीएफ कर्मियों की तैनाती का आदेश दिया। केंद्रीय बल राज्य प्रशासन के साथ समन्वय में काम करेंगे, वहीं न्यायालय ने इस मामले में राज्य सरकार और केंद्र दोनों को स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया, इस मामले की अगली सुनवाई के लिये 17 अप्रैल की तारीख तय की है। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की विशेष पीठ गठित की थी, वहीं राज्य के वकील ने न्यायालय को बताया कि मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित सूती, धुलियान और समसेरगंज क्षेत्रों में बीएसएफ की सात कंपनियां तैनात की गई हैं। हालांकि, इस मामले में शुभेंदु अधिकारी के वकील ने आरोप लगाया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिये बीएसएफ कर्मियों को ठीक से तैनात नहीं किया जा रहा है, जिसके बाद पीठ ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुये शनिवार को अवकाश के दिन भी याचिका पर सुनवाई की, इस मामले में शनिवार को जब सुनवाई शुरू हुई तो, कोर्ट ने राज्य सरकार को आधे घंटे का समय दिया। केंद्रीय बलों की तैनाती पर, उनकी राय मांगी गई। राज्य ने कहा कि केंद्रीय बलों की तैनाती की कोई जरूरत नहीं है। राज्य ने कहा कि राज्य के डीजी राजीव कुमार स्वयं मुर्शिदाबाद के लिये रवाना हो गए हैं लेकिन, न्यायालय ने आखिरकार केंद्रीय बलों की तैनाती के पक्ष में फैसला सुनाया। न्यायालय ने कहा कि जब इस तरह के आरोप लगाये जाते हैं तो, न्यायालय आंखें बंद नहीं कर सकता। असली दोषियों की पहचान की जानी चाहिये और उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिये। फिलहाल मुख्य लक्ष्य मुर्शिदाबाद में शांति और सद्भाव बहाल करना है, इसलिये मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश जारी किया गया है। अगर, चाहें तो अन्य जगहों पर भी कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिये केंद्रीय बलों को बुलाया जा सकता है। न्यायालय ने कहा सूती, समसेरगंज सहित उन सभी क्षेत्रों में जहां हालात अत्यंत तनावपूर्ण हैं, वहां तत्काल केंद्रीय बलों की तैनाती की जाये। फिलहाल यह आदेश केवल मुर्शिदाबाद जिले के लिए लागू है लेकिन, यदि राज्य के किसी अन्य हिस्से में भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो, वहां भी केंद्रीय बलों की तैनाती की जा सकती है। राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि केंद्रीय बलों को हरसंभव सहायता मिले।

लोगों की जान बचाने को कोर्ट खोलाः शुभेंदु

उच्च न्यायालय से केंद्रीय बलों की तैनाती की खबर आने के बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह ममता बनर्जी सरकार की गाल पर चांटा है। छुट्टी के दिन उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने लोगों की जान बचाने के लिये न्यायालय खोला। उन्होंने कहा कि हम तब न्यायालय गये जब न ममता सरकार ने और न ही पुलिस ने हमारी बात सुनी, तब हम न्यायालय जाने के लिये मजबूर हुये। न्यायालय ने लोगों के जीवन की सुरक्षा के लिये यह फैसला दिया। हम न्यायालय को प्रणाम करते हैं, इस सबके बीच शनिवार को शुभेंदु अधिकारी ने वक्फ कानून के विरुद्ध प्रदर्शन के दौरान रेलवे संपत्ति पर हुई तोड़-फोड़ और हिंसा की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने की मांग की। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे एक पत्र में उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के कई रेलवे स्टेशनों पर हुई हिंसक घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।

...जहां पाकिस्तान भारत से हर रोज हारता है !

- डॉ. श्रीगोपाल नारसन

भारत -पाकिस्तान की बीच अमृतसर से लाहौर जा रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी-बाघा बॉर्डर दोनों देशों के लिए अपनी अपनी राष्ट्रभक्ति प्रदर्शित करने और प्रत्येक दिन कम से कम एक बार दोनों देशों के सैनिकों द्वारा हाथ मिलाने से मधुरता का न सही एक पड़ोसी देश के साथ औपचारिक रिश्ता जरूर बना हुआ है। भारत मे पाकिस्तान की सीमा को अटारी गांव जोड़ता है,तो पाकिस्तान का बाघा गांव भारत की सीमा से सटा हुआ है।अमृतसर से करीब 30 किलोमीटर दूर अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन दोनों देशों द्वारा सन 1959 में शुरू हुआ था,जो आज तक बदस्तूर जारी है।राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत यह समारोह देश और दुनिया में काफी प्रसिद्ध है।अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन सर्दियों में शाम चार बजे और गर्मियों में शाम 5.15 बजे शुरू होता है। यहां प्रवेश करने का समय 3 बजे शुरू होता है और सीट पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर मिलती है। अटारी-बाघा बॉर्डर पर होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह में भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान और पाकिस्तानी रेंजर्स फोर्स एक साथ मिलकर अपनी अपनी सीमाओं में शानदार परेड व शौर्य का प्रदर्शन करते हैं। जिसे देखने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक व नागरिक भाग लेते हैं।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान की सीमा के बीच स्थित एक सीमा क्रॉसिंग है। जमीन मार्ग से यहीं से एक दूसरे देश मे आया व जाया जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी- वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमा रेखा बनी हुई है। जिसे रेडक्लिफ रेखा के नाम से जाना जाता है।इस रेखा का नाम ब्रिटिश वकील सर सिरिल रेडक्लिफ के नाम पर रखा गया है, जो देश बंटवारे के समय सीमांकन करने के लिए जिम्मेदार रहा। इस आयोजन के तहत सीमा द्वार बंद करने की सैन्य परंपरा हैं, लेकिन यह एक बेहद कोरियोग्राफ़्ड और लोकप्रिय सार्वजनिक सैन्य प्रदर्शन बन गया है, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित करता है। वाघा बॉर्डर समारोह ऐतिहासिक संघर्षों और राजनीतिक तनावों के बीच भी भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और सहयोग की स्थायी उम्मीद का प्रतीक बना हुआ है। यह भारत के अमृतसर व पाकिस्तान के लाहौर आने वाले आगंतुकों के लिए सांस्कृतिक अनुभव का हिस्सा बन गया है सन1959 से दोनों देश यहां रोजाना झंडा उतारने की रस्म निभाते आ रहे हैं। अगस्त 2017 में भारत ने वाघा बॉर्डर के भारतीय हिस्से अटारी में 110 मीटर ऊंचा झंडा फहराया था। जवाब में पाकिस्तान ने अपनी तरफ 122 मीटर ऊंचा झंडा फहराया। भारत की तरफ वाला झंडा फहराने वाला झंडा देश में सबसे ऊंचा है, जबकि पाकिस्तान की तरफ वाला झंडा दक्षिण एशिया में सबसे ऊंचा माना जाता है।सन 1947 में देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद से ही यह बॉर्डर दोनों देशों के बीच सड़क संपर्क के रूप में काम कर रहा है। यह समारोह 30 मिनट की एक ड्रिल है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज को नीचे करना और सूर्योदय तक दोनों देशों के बीच सीमा को औपचारिक रूप से बंद करना है।

आज का राशिफल

- **मेष** – कार्यस्थल पर आपकी काम करने के तरीके और निर्णय क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी।
- **तुला** – आज दिन करियर के लिए शुभ है। नई योजनाओं और निवेश के लिए अनुकूल समय है।
- **वृषभ** – चुनौतियां आपका इंतजार कर रही हैं, खासकर यदि आप किसी साझेदारी में काम कर रहे हैं।
- **वृश्चिक** – संयम और धैर्य की सबसे ज्यादा जरूरत है। व्यवसाय में नई शुरुआत या बड़ा निवेश न करें।
- **मिथुन** – व्यापार में अनचाहे खर्चे परेशान कर सकते हैं। यदि आप आयात-निर्यात या मार्केटिंग से जुड़े हैं।
- **धनु** – विद्या और ज्ञान में वृद्धि होगी। आप किसी शिक्षक, रिसर्चर या अकादमिक क्षेत्र से जुड़े हैं।
- **कर्क** – जिस कार्य को लेकर आप आश्वस्त नहीं थे, उसमें अचानक सफलता मिलने की संभावना है।
- **मकर** – आज कार्यक्षेत्र में स्थायित्व रहेगा। कुछ नए कॉन्ट्रैक्ट या प्रॉजेक्ट्स के ऑफर मिल सकते हैं।
- **सिंह** – मानसिक उथल-पुथल के साथ शुरू हो सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोगों से मतभेद हो सकते हैं।
- **कुंभ** – आईटी या साइंस के क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई खोज या प्रॉजेक्ट में सफलता मिल सकती है।
- **कन्या** – आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार होगा। आत्मविश्वास के साथ लिए गए निर्णय लाभदायक सिद्ध होंगे।
- **मीन** – रुके किसी विवाद के समाधान का है। बॉस से तारीफ और सपॉर्ट की उम्मीद कर सकते हैं।

विशेष

सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटेगी सरकार?

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने राष्ट्रपति और राज्यपाल को लेकर जो फैसला दिया है। केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वीकार नहीं है। सरकार जल्द ही विधेयक ला सकती है। विधेयक के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का फैसला सरकार पलट देगी। एक संभावना यह भी व्यक्त की जा रही है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी। बड़ी बेंच से दो जजों की खंडपीठ का फैसला सरकार बदलवाने का प्रयास करेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से तमिलनाडु के 10 कानून को मान्यता मिली है। यदि ऐसा होता रहा, तो केंद्र सरकार कुछ कर ही नहीं पाएगी। केंद्र सरकार के जो हाथी के दांत दिखाने वाले हैं। यदि वह टूट गए तो राज्य सरकारों का डर और भय खत्म हो जाएगा। अभी तो राज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार की सत्ता राज्यों में चल रही है।

नए जातीय समीकरण

उत्तर प्रदेश की योगी बाबा की सरकार को मुगालता है, कुंभ के सफल आयोजन के बाद हिंदू मतदाता बड़े पैमाने पर एकजुट हो गया है। अयोध्या, वाराणसी और मथुरा के साथ-साथ अब संभल भी हिंदू आस्था का बड़ा केंद्र बन गया है। जिस तरह से उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति है। हिंदू मुस्लिम के साथ अब दलित और राजपूत का झगड़ा शुरू हो गया है। उसके कारण हिंदुओं की कई जातियों में योगी सरकार के प्रति भारी विद्रोह देखने को मिल रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1975 भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट को प्रक्षेपित किया गया. 1552 फ्रांस नरेश हेनरी द्वितीय और पोप जूलियस तृतीय में दो वर्षीय शांति संधि हुई. 1775 अमेरिकी स्वतंत्रता की लड़ाई के पहले दिन ही अंग्रेजों को कई स्थानों पर हार का सामना करना पड़ा. 1783 अमेरिकी कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई समाप्त होने की घोषणा की. 1859 आस्ट्रिया ने सर्डीनिया को हथियार डालने की चेतावनी दी, लेकिन उसे ठुकरा दिया गया. 1964 लाओस में मिली जुली सरकार को सेना ने हटा दिया. 1975 भारतीय उपग्रह आर्यभट्ट का कॉस्मोड़ोम से सफल परीक्षण. 1988 डयूसेलफोर्ड की अदालत ने जर्मन नागरिक के अपहरण के लिए अब्बास हम्मादी को दोषी करार दिया. 1989 जार्डन में मूल्य वृद्धि के खिलाफ दंगे भड़के.

दैनिक पंचांग

19 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	धनु में
मंगल	कर्क में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	05.20 बजे से
वृष	07.04 बजे से
मिथुन	09.02 बजे से
कर्क	11.16 बजे से
सिंह	13.32 बजे से
कन्या	15.44 बजे से
तुला	17.54 बजे से
वृश्चिक	20.09 ब.से
धनु	22.25 बजे से
मकर	00.30 बजे से
कुंभ	02.17 बजे से
मीन	03.50 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 109 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 18.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 10.21 बजे को समाप्त।
योग शिव 00.52 बजे रात्र को समाप्त।
करण गर 05.49 बजे तदनन्तर वणिज 18.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872319
जूलियन दिन 2460784.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 20

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुख-समृद्धि के लिए वरूथिनी एकादशी पर भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये फूल

वैशाख महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरूथिनी एकादशी कहते हैं। इस साल यह एकादशी 24 अप्रैल, गुरुवार को है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करना बहुत खास माना जाता है। कहते हैं कि इस व्रत को करने से सारी इच्छाएं पूरी होती हैं और भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। अगर आप भी इस दिन व्रत रख रहे हैं, तो पूजा करते समय भगवान विष्णु को फूल जरूर चढ़ाएं, क्योंकि इससे उनकी खास कृपा मिलती है। तो चलिए जानते हैं कि वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन-कौन से फूल चढ़ाने चाहिए।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं कमल

कमल का फूल भगवान विष्णु को बहुत पसंद है। इसे अच्छी किस्मत और तरक्की का प्रतीक माना जाता है। वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कमल के फूल चढ़ाना बहुत अच्छा फल देता है। कमल का फूल भगवान विष्णु को अर्पित करने से जीवन में धन, दौलत और सुख-शांति मिलती है। यह फूल खासकर शुभता और अमीरी का प्रतीक है और इसे चढ़ाने से घर में पैसे की कमी दूर होती है। इसके साथ ही, यह मन को शांति और संतोष भी देता है, जिससे इंसान की परेशानियां कम होती हैं और जीवन में खुशी बनी रहती है।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं गुड़हल

गुड़हल का फूल मां लक्ष्मी को तो पसंद है ही, साथ ही यह भगवान विष्णु के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह फूल ज्यादातर लाल रंग का होता है और इसकी ताज़गी और सुंदरता भगवान विष्णु के लिए हमारी श्रद्धा को और भी बढ़ा देती है। गुड़हल का फूल चढ़ाने से इंसान को जीवन की हर तरह की रुकावटों से छुटकारा मिलता है। यह भगवान विष्णु की कृपा को अपनी ओर खींचता है, जिससे कामों में सफलता मिलती है और मन के सारे तनाव दूर हो जाते हैं। गुड़हल के फूल का इस्तेमाल खासकर शांति और अच्छी ऊर्जा बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह फूल घर में सुख और समृद्धि लाने का काम करता है।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं गेंदा

गेंदे के फूल का रंग भगवान विष्णु के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। यह फूल भगवान विष्णु के चरणों में चढ़ाने से उनकी खास कृपा मिलती है और जीवन में खुशियां आती हैं। नारंगी रंग का फूल भगवान विष्णु को चढ़ाने से इंसान के जीवन से गरीबी और मुसीबतें दूर होती हैं। यह फूल तरक्की और सफलता का प्रतीक है और इसे चढ़ाने से व्यक्ति को अपने कामों में कामयाबी मिलती है। नारंगी फूल पूजा में चढ़ाने से व्यक्ति के घर में खूब धन आता है और हर तरह की परेशानियां दूर हो जाती हैं।

वैशाख माह में किन देवी-देवताओं की पूजा करने से मिलेगा

सुख-शांति और सौभाग्य का आशीर्वाद

हिंदू धर्म में वैशाख माह का बहुत महत्व है। यह हिंदू चंद्र कैलेंडर का दूसरा महीना है। इस माह में दान-पुण्य करने का भी विशेष महत्व है। अब ऐसे में वैशाख माह में किन देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करने से शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसके बारे में इस लेख में विस्तार से जानते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह का आरंभ जल्द ही होने जा रहा है। इस माह का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इस माह में पवित्र नदियों में स्नान करने और दान-पुण्य करने से व्यक्ति को सुख-सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। इस माह में जप, तप बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कुंडली में किसी तरह का ग्रहदोष है तो वैशाख माह में पूजा-पाठ करने से लाभ हो सकता है। अब ऐसे में इस माह में किन देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करने से लाभ हो सकता है।

वैशाख माह में करें अपने आराध्य की पूजा

हिंदू पंचांग के हिसाब से वैशाख माह को सुख-समृद्धि का कारक माना जाता है। इस माह में आप अपने आराध्य की पूजा विधिवत रूप से करें। इनकी पूजा-अर्चना करने से जातकों पर आराध्य की कृपा बनी रहती है और जीवन में आ रही समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है। आप अपने आराध्य की पूजा वैशाख माह में किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते हैं। वैशाख माह में शनिदेव की उपासना विशेष रूप से करनी चाहिए। इस माह में शनिदेव की पूजा-अर्चना करने से दोगुने फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपको बता दें, शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के दौरान व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वैशाख माह में शनिदेव की पूजा करने से इन कष्टों से राहत मिल सकती है। इस माह में शनिदेव की पूजा करने से करियर में स्थिरता और आर्थिक लाभ हो सकता है।

वैशाख माह में करें हनुमान जी की पूजा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हनुमान जी की पूजा वैशाख माह में विशेष रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि इस माह में हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसलिए इस माह में हनुमान जी की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है।

वैशाख माह में करें कुलदेवता की पूजा

धार्मिक परंपराओं में कुलदेवता को पितरों से भी जोड़ा जाता है। वैशाख माह में उनकी पूजा करने से पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है, जिससे परिवार में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। साथ ही घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

वैशाख माह में करें भगवान विष्णु की पूजा
वैशाख माह में भगवान विष्णु की पूजा विशेष रूप से करें। ऐसा कहा जाता है कि इनकी पूजा करने से व्यक्ति को लाभ हो सकता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

वैशाख माह में किन चीजों की खरीदारी करना माना जाता है शुभ

हिंदू धर्म में वैशाख माह को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की का प्रतीक माना जता है। इस माह में इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को सभी दुखों और कष्टों से छुटकारा मिल सकता है। ऐसी मान्यता है कि इस माह में दान-पुण्य किया जाए तो व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है और भाग्योदय हो सकता है। आपको बता दें, इस माह में शनिदेव की पूजा भी विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में इस माह में कुछ ऐसी चीजें हैं, जिसकी खरीदारी करना शुभ माना जाता है।

वैशाख माह को सभी सुखों और मनोकामना पूर्ति का कारक माना जाता है। इस माह में भगवान विष्णु की पूजा भी विधि-विधान के साथ की जाती है। इसलिए इस माह में नए वस्त्र खरीदना चाह रहे हैं, तो आप खरीद सकते हैं। इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है और व्यक्ति को दरिद्रता से भी छुटकारा मिल सकता है।

वैशाख माह में खरीदें नया कलश
वैशाख माह भगवान विष्णु को समर्पित है। कलश को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस माह में नया कलश खरीदना शुभ माना जाता है। आपको बता दें, नया कलश खरीदना एक शुभ शुरुआत का प्रतीक है। यह माना जाता है कि नया कलश घर में समृद्धि और खुशहाली लाता है। वैशाख माह में कलश की पूजा भी विधिवत रूप से की जाती है। इसलिए इस माह में आप पीतल का कलश जरूर खरीदें।

वैशाख माह में खरीदें नए जूते-चप्पल
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वैशाख माह में शनिदेव की पूजा-अर्चना करने का भी विधान है और जूते-चप्पल का संबंध भी शनिदेव से है। इसलिए अगर किसी जातक की कुंडली में शनिदोष है या फिर साढ़ेसाती के अशुभ प्रभाव देखने को मिल रहे हैं तो वैशाख माह में जूते-चप्पल खरीद सकते हैं। इससे उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है और ग्रहदोष से भी छुटकारा मिल सकता है। आपको बता दें, अगर आप जूते-चप्पल खरीद रहे हैं तो शुक्रवार के दिन ही खरीदें। इससे भाग्योदय हो सकता है।

वैशाख माह को क्यों कहते हैं माधव मास?

वैशाख का महीना 14 अप्रैल, सोमवार से शुरू हो रहा है। यह हिन्दू वर्ष का दूसरा माह कहलाता है। वैशाख माह को शास्त्रों में पुण्य अर्जित करने वाला माह माना गया है। इस माह में श्री कृष्ण की पूजा का विशेष महत्व है। वैशाख माह से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं जिनके बारे में इस माह के दौरान सुनने या जानने से आध्यात्मिक कृपा प्राप्त होती है और जीवन को नई दिशा भी मिलती है। वहीं, वैशाख माह से संबंधित एक और रोचक तथ्य है जिसके अनुसार इस माह को माधव मास भी कहते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, माधव श्री कृष्ण का ही एक नाम है। माधव शब्द मधु से बना है। मधु का अर्थ होता है शहद और माधव का अर्थ होता है शहद सा मीठा। यानी कि माधव अर्थात श्री कृष्ण जो शहद की भांति ही मीठे है, अर्थात जिनकी वाणी बहुत सौम्य है। यह नाम श्री कृष्ण को उनके सखाओं ने ही दिया था। श्री कृष्ण गोकुल के ग्वाल बालों को लिये माखन चोरी करके लाते थे, अपने सखाओं के कारण उन्हें गोपियों और माता यशोदा से डांट भी सुननी पड़ती थी, लेकिन इसके बाद वे अपने सखाओं के साथ सौम्य रहते थे। इसी कारण से श्री कृष्ण के सखाओं ने उनका नाम माधव रख दिया था। जिस माह में श्री कृष्ण का यह नाम रखा गया है वह वैशाख माह था और तभी से वैशाख माह का एक नाम माधव मास या माधव माह पड़ गया। इस माह में श्री कृष्ण की आराधना करना शुभ होता है। माधव मास या वैशाख माह में श्री कृष्ण की पूजा करने से उनकी असीम कृपा मिलती है। शास्त्रों में बताया गया है कि जिन लोगों द्वारा पाप कर्म ज्यादा हुए होते हैं उनके प्रति भी इस माह में श्री कृष्ण सौम्य हो जाते हैं और उन्हें पुण्य कमाने का एक अवसर और प्रदान करते हैं।

इस माह में श्री कृष्ण की पूजा करने से परिस्थितियों में उलझे हुए व्यक्ति को उससे बाहर निकलने और आगे बढ़ने का मार्ग नजर आने लग जाता है। इस माह में श्री कृष्ण के माधव नाम का जाप करने से सुख-समृद्धि कि प्राप्ति होती है और व्यक्तित्व निखरने लग जाता है।

हिंदू धर्म में वैशाख माह को सौभाग्य और शुभता का कारक माना जाता है। यह माह एकमात्र ऐसा है, जिसमें सभी देवी-देवताओं के साथ-साथ पितरों को प्रसन्न करने लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। अब ऐसे में इस माह में पितरों की कृपा के लिए कौन से उपाय करने से लाभ हो सकते हैं। इसके बारे में इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए वैशाख माह में जरूर करें ये 3 काम, दूर होंगी सभी बाधाएं

सनातन धर्म में वैशाख माह सबसे पवित्र माह में से एक है। इस माह से ही मांगलिक कार्य आरंभ हो जाते हैं। इसलिए इस माह को और भी महत्वपूर्ण माना गया है। इस माह में पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। इतना ही नहीं, इस माह में भगवान विष्णु, भोलेनाथ और शनिदेव के साथ-साथ पितरों की पूजा की जाती है। अब ऐसे में अगर आपकी कुंडली में पितृदोष है या फिर कुंडली में किसी भी तरह का कोई अशुभ स्थान है। तो वैशाख माह में पूजा-पाठ और उपाय करने से लाभ हो सकता है।

पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए वैशाख माह में करें जल का दान

वैशाख माह में पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए जलदान का विशेष महत्व है। इस महीने में गर्मी अधिक बढ़ जाती है, जिससे लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जलदान करने से पितरों को शांति मिलती है और उनकी आत्मा तृप्त होती है। इतना ही नहीं, जलदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए वैशाख माह में खरीदें छाता

हिंदू धर्म में छाता को बेहद शुभ माना जाता है। छाता खरीदने और उसका दान करने से पितरों को लाभ हो सकता है और उनकी कृपा प्राप्त होती है। छाता दान करने से व्यक्ति को छाया और सुरक्षा मिलती है। यह दान पितरों के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। इस बात का ध्यान रखें कि पितरों को कृपा प्राप्ति के लिए नया छाता ही खरीदें और उसका दान करें। भूलकर भी पुराने छाते का दान न करें।

वैशाख माह में चीटियों को खिलाएं आटा

शास्त्र के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चीटियों को भोजन कराने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उनकी तृप्ति होती है। इससे पितर प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। आपको बता दें, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चीटियों का संबंध शनि और राहु-केतु ग्रहों से होता है। इसलिए, उन्हें आटा खिलाने से इन ग्रहों के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं। साथ ही पितरों को भी तृप्ति मिलती है।

गौतम अडानी का बढ़ेगा दबदबा, ऑस्ट्रेलिया में खरीदेंगे टर्मिनल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी निजी बंदरगाह कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लि. एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने जा रही है। गौतम अडानी के नेतृत्व वाली कंपनी ऑस्ट्रेलिया में कोयला निर्यात टर्मिनल का अधिग्रहण करेगी। यह सौदा बिना नकद के 2.4 अरब डॉलर में होगा। एप्सेज नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल का अधिग्रहण कर रही है। इससे कंपनी को 2029-30 तक अपनी क्षमता दोगुनी करने में मदद मिलेगी। एप्सेज ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने कार्माइकल रेल एंड पोर्ट सिंगापुर होल्डिंग्स पीटीई लि. से एबॉट पॉइंट पोर्ट होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर को खरीदने की मंजूरी दे दी है। सीआरपीएसएचपीएल एक संबंधित पक्ष है।

एबॉट पॉइंट पोर्ट होल्डिंग्स के पास उन कंपनियों का मालिकाना हक है जिनके पास नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल है। यह टर्मिनल हर साल 5 करोड़ टन कोयला निर्यात कर सकता है। यह ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर बोवेन से लगभग 25 किमी उत्तर में एबॉट पॉइंट के बंदरगाह पर है।

एप्सेज ने पहले 2011 में की थी डील- एप्सेज ने पहले 2011 में एबॉट पॉइंट पर नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल को 2 अरब डॉलर में खरीदा था। फिर 2013 में अडानी परिवार ने एप्सेज से उसी कीमत पर इस संपत्ति को खरीदा। इससे कंपनी को भारत में अपने कामकाज को बढ़ाने में मदद मिली।

अब, एप्सेज के पास अच्छा पैसा है और भारत में उसकी स्थिति मजबूत है। इसलिए, कंपनी अपनी वैश्विक विकास योजना के तहत इस टर्मिनल को फिर से खरीद रही है।

कंपनी ने एक बयान में कहा, यह लेन-देन बिना नकद के होगा। एप्सेज, एपीपीएच में 100 फीसदी हिस्सेदारी के बदले में सीआरपीएसएचपीएल को 14.38 करोड़ नए शेयर देगी। यह नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल के 3.975 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.4 अरब डॉलर) के उद्यम मूल्य पर आधारित है। इसका मतलब है कि एप्सेज, एपीपीएच को खरीदने के लिए सीआरपीएसएचपीएल को पैसे नहीं देगी, बल्कि अपनी कंपनी के शेयर देगी। यह सौदा 2013 में किए गए सौदे के लगभग बराबर है। उस समय भी संपत्ति का मूल्यांकन लगभग इतना ही था।

कंपनी ने क्या बताया

कंपनी ने देनदारियों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन यह जरूर कहा कि लेन-देन के हिस्से के रूप में एप्सेज, एपीपीएच के बही-खाते पर अन्य गैर-मुख्य संपत्तियों और देनदारियों को भी लेगी... सौदे के बाद एप्सेज का निवेश समान स्तर पर बना रहेगा। इसका मतलब है कि एप्सेज, एपीपीएच की कुछ देनदारियों को भी लेगी, लेकिन इससे कंपनी के निवेश पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। एप्सेज का कहना है कि इस अधिग्रहण से उसे 2029-30 तक अपनी क्षमता को दोगुना कर एक अरब टन सालाना करने के लक्ष्य को जल्दी हासिल करने में मदद मिलेगी। अभी एप्सेज के पास जितने बंदरगाह हैं, उनकी क्षमता मिलाकर लगभग 50 करोड़ टन है। इस अधिग्रहण से कंपनी की क्षमता में 5 करोड़ टन की बढ़ोतरी होगी।

अडनी का चौथा विदेशी अधिग्रहण

पिछले दो वर्षों में यह भारत की सबसे बड़ी बंदरगाह कंपनी का चौथा विदेशी अधिग्रहण है। अब कंपनी के पास कुल 19 बंदरगाह और टर्मिनल होंगे। इनमें से 15 भारत में हैं और 4 विदेश में हैं। इजरायल में एक बंदरगाह, तंजानिया और श्रीलंका में टर्मिनल अन्य तीन अंतरराष्ट्रीय स्थान हैं जहां एप्सेज काम करती है। इस अधिग्रहण से एप्सेज एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बन जाएगी। कंपनी का लक्ष्य है कि वह दुनिया की सबसे बड़ी बंदरगाह कंपनियों में से एक बने। इस दिशा में यह अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सौदा दिखाता है कि अडानी समूह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। कंपनी न केवल भारत में, बल्कि विदेश में भी तेजी से बढ़ रही है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा।

जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि अन्य कारोबारों के पूंजीगत व्यय के लिए बैलेंस शीट के इस्तेमाल और कंपनी की इतनी ऊंची ऋण लागत से सेवा की स्थिरता से जुड़ी चिंताएं बढ़ रही हैं।

मेनन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले मंगलवार को सेबी ने फंड डायवर्जन और गवर्नेंस लैप्स मामले में जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रमोटरों - अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी- को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को संबोधित अपने त्यागपत्र में मेनन ने कहा, अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने के लिए जीईएल की बैलेंस शीट का लाभ उठाने तथा जीईएल द्वारा इतनी अधिक ऋण लागत की सेवा की स्थिरता पर चिंता बढ़ रही थी। बाजार नियामक ने जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड (जीईएल) को उसकी ओर से घोषित स्टॉक विभाजन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। नियामक ने प्रमोटरों को किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक या मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक का पद धारण करने से भी रोक दिया है।

अमेरिका से पढ़कर आया बिजनसमैन बन गया डिलीवरी बॉय

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी में कई बार मुश्किल दौर आता है। ऐसे में हम अक्सर ध्यान भटकाने वाली चीजें ढूंढते हैं। कुछ लोग घूमने जाते हैं, तो कुछ छुट्टी लेते हैं। लेकिन एक यूजर ने कुछ अलग किया। उसका एक बिजनस प्लान फेल हो गया था। उसने अपने पिता से इस बारे में बात की। पिता ने उसे एक अलग नजरिया देखने की सलाह दी। यहीं से सब कुछ शुरू हुआ। रेडिट यूजर ने एक पोस्ट में अपनी पूरी कहानी बताई है। यह यूजर कई साल तक अमेरिका में रहा। फिर वह भारत लौटा और एक सफल बिजनस शुरू किया। उसने माना कि उसे कभी रोज के खर्चों की चिंता नहीं हुई। इसलिए, उसने कुछ नया करने की सोची। उसने जोमैटो में डिलीवरी एजेंट के तौर पर काम करने का फैसला किया। उसने यह काम सिर्फ एक वीकेंड के लिए किया।

जोमैटो पार्टनर के तौर पर अपने अनुभव को शेयर किया है। यह अनुभव ऑनलाइन लोगों का ध्यान खींच रहा है। यूजर ने बताया कि वह एक अपर-मिडल-क्लास परिवार में पला-बढ़ा और उसने 10 साल से ज्यादा अमेरिका में बिताए। फिर वह भारत वापस आ गया और अपनी कंपनी शुरू की। लेकिन एक बड़ा प्रोजेक्ट खोने के बाद उसका बुरा समय शुरू हो गया। वह लंबे समय से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा था। ऐसे निराशाजनक समय में उसके पिता ने उसे जिंदगी को एक अलग नजरिए से देखने की सलाह दी।

डिलीवरी बॉय की दिक्कतें- उसने पोस्ट में लिखा, कुछ हफ्ते पहले, मैंने एक बड़ा प्रोजेक्ट खो दिया जिसके लिए मैं महीनों से पिच कर रहा था। मुझे बहुत बुरा लगा। मैं निराश था, खुद पर सवाल उठा रहा था और एक तरह के मिडलाइफ क्राइसिस से गुजर रहा था। मेरे पिताजी ने यह देखा और मुझे सांत्वना देने की कोशिश की। उन्होंने धीरे से मुझे याद दिलाया कि मैं अपनी जिंदगी में ज्यादातर आर्थिक मुश्किलों से बचा रहा हूं और शायद यह एक अलग नजरिया पाने का समय है।

आरबीआई ने 3 बैंकों पर लगाया भारी-भरकम जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने नियामकीय अनुपालन में कुछ खामियों के लिए कोटक महिंद्रा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक पर बैंक लोन वितरण के लिए ऋण प्रणाली पर दिशानिर्देश के अलावा लोन और एडवांस, वैधानिक और अन्य प्रतिबंध पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए 61.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि केवाईसी के कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर 38.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

पंजाब नेशनल बैंक पर भी कार्रवाई- इसके अलावा बैंकों में ग्राहक सेवा पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए पंजाब नेशनल बैंक पर 29.6 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। तीनों मामलों में रिजर्व बैंक ने कहा कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में खामियों पर आधारित है तथा इसका उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय देना नहीं है।

को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द- इससे पहले, रिजर्व बैंक ने अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया था। रिजर्व बैंक के मुताबिक इसके पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि गुजरात सहकारी समितियों के पंजीयक को भी बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। परिसमापन पर प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल 5 लाख रुपये की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि पर बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। रिजर्व बैंक ने आगे कहा कि सहकारी बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, लगभग 98.51 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।

आईएमएफ का दावा: यूएस टैरिफ से कमजोर होगी वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दावा किया है अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। इसके अलावा इस वर्ष मुद्रास्फीति बढ़ेगी। हालांकि, आयात शुल्कों में वृद्धि वैश्विक मंदी का कारण नहीं बनेगी। आईएमएफ का ये अनुमान अगले सप्ताह यानी मंगलवार को जारी किया जाएगा।

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक, क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों से वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि आयात कर वैश्विक विकास को धीमा कर देंगे, लेकिन दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था की ताकत की परीक्षा हो रही है, क्योंकि वैश्विक व्यापार प्रणाली में बड़े बदलाव हो रहे हैं, और ये बदलाव वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अशांति पिछले कुछ हफ्तों से वित्तीय बाजारों में चल रही है। खासकर वॉल स्ट्रीट पर, जिसने दिन-प्रतिदिन और अक्सर घंटे-दर-घंटे उतार-चढ़ाव का अनुभव किया है।

जनवरी में जारी अनुमान में मुद्रास्फीति में कमी का था अनुमान

जनवरी में जारी अपने सबसे हालिया अनुमानों में, आईएमएफ ने विश्व अर्थव्यवस्था के नाममात्र तेजी से बढ़ने और मुद्रास्फीति में कमी आने का अनुमान लगाया था। हालांकि, आईएमएफ ने चेतावनी भी दी थी कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, जिनमें कर कटौती और विदेशी आयातों पर शुल्क में वृद्धि शामिल है, के कारण संभावनाएं कम हो गई हैं। हालांकि, जनवरी के पूर्वानुमानों में बदलाव होने की संभावना है। इसके अलावा, वाशिंगटन स्थित ऋण एजेंसी ने उस समय कहा था कि उसे उम्मीद है कि इस साल और अगले साल विश्व अर्थव्यवस्था 3.3 फीसदी बढ़ेगी, जो 2024 में 3.2 फीसदी होगी।

देशों से टैरिफ कम करने की अपील

आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने ट्रंप प्रशासन की कुछ चिंताओं को भी दोहराया। उन्होंने देशों से अपने टैरिफ और व्यापार में अन्य बाधाओं को कम करने की अपील की। उन्होंने कहा, व्यापार विकृतियों- टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं ने बहुपक्षीय प्रणाली की नकारात्मक धारणाओं को बढ़ावा दिया है, जो सभी को बराबरी का मौका देने में नाकाम रही है। कुछ जगहों पर लगता है कि उनके साथ गलत हो रहा है। उनका मानना है कि वे नियमों का पालन करते हैं, जबकि अन्य नियम तोड़ते हैं और फायदा उठाते हैं।

अनिश्चितता का कारण बनते हैं टैरिफ

जॉर्जीवा ने कहा कि टैरिफ अनिश्चितता का कारण बनते हैं, जो महंगा हो सकता है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं की जटिलता के कारण, दर्जनों देशों में टैरिफ से एक ही वस्तु की लागत प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई व्यापार बाधाएं भी विकास को तुरंत प्रभावित करती हैं, और जबकि इससे अधिक घरेलू उत्पादन हो सकता है, इसे लागू करने में समय लगता है।

कॉपर की कीमत में हाल के दिनों में काफी तेजी

वेदांता के अनिल अग्रवाल ने इसे अगला गोल्ड बताया है

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉपर की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। हाल में इसकी कीमत 10,000 डॉलर प्रति टन के ऊपर पहुंच गई थी। इसकी वजह यह है कि नए जमाने की हर तकनीक में इसका यूज हो रहा है और इसे सुपर मेटल कहा जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर रिन्यूएबल एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डिफेंस से जुड़े साजोसामान में तांबे का यूज हो रहा है। इसकी बढ़ती डिमांड को देखते हुए अडानी और जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने भी एंट्री मारी है। फिलहाल, भारत में सिर्फ हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर ही तांबा बनाती हैं। इस बीच वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने तांबे को अगला सोना करार दिया है। उनका कहना है कि देश के निवेशकों और उद्यमियों को कॉपर पर मिशन मोड में काम करने की जरूरत है।

अग्रवाल ने ङ्क पर एक फोटो शेयर की जिसमें लिखा है कि कॉपर अगला सोना है। इसमें उन्होंने लिखा, बैरिक गोल्ड दुनिया में सोने का उत्पादन करने वाली दूसरी बड़ी कंपनी है। अब यह कंपनी सिर्फ बैरिक के नाम से जानी जाएगी। इसकी वजह यह है कि कंपनी तांबे की माइनिंग पर ध्यान दे रही है। तांबा एक नया सुपर मेटल है। इसका इस्तेमाल हर नई तकनीक में हो रहा है। चाहे वो श्वङ्क्ष्य हों, रिन्यूएबल एनर्जी का ढांचा हो, ्ढ्ढ हो या फिर डिफेंस के उपकरण, सब में तांबा काम आ रहा है।

भारत में खपत- भारत में रिफाइंड तांबे का उत्पादन लगभग 555,000 टन प्रति वर्ष है, जबकि घरेलू खपत 750,000 टन से ज्यादा है। भारत हर साल लगभग 500,000 टन तांबा आयात करता है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार 2030 तक भारत में तांबे की मांग दोगुनी हो सकती है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत में प्रति व्यक्ति तांबे की खपत लगभग 0.6 किलोग्राम है, जबकि वैश्विक औसत 3.2 किलोग्राम है। तांबे के उत्पादन में चिली सबसे ऊपर हैं। उसके बाद पेरू का नंबर है। चीन और कांगो भी तांबे के बड़े उत्पादक देश हैं।

क्यों बढ़ रही डिमांड

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में तांबे की खदानों को फिर से शुरू किया जा रहा है। तांबा गलाने वाली नई भट्टियां भी बन रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि तांबे की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी क्रिटिकल और ट्रांजिशन मेटल्स के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। युवा उद्यमियों और निवेशकों के लिए यह एक बड़ा मौका है। इसे एक मिशन बना लेना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि तांबे की कीमतें आने वाले समय में और भी बढ़ सकती हैं। इसलिए तांबे में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। तांबा उतना ही जरूरी है जितने लिथियम और कोबाल्ट। इनका इस्तेमाल रिचार्जेबल बैटरी में होता है। तांबे का यूज सेलफोन, एलईडी लाइट और फ्लैट-स्क्रीन टीवी में होता है। साथ ही तांबे का इस्तेमाल तारों और ट्रांसमिशन लाइनों में होता है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तांबा आयात करता है। 2023 में भारत ने तांबे को 30 महत्वपूर्ण खनिजों में शामिल किया था। 2018 में वेदांता के स्टरलाइट कॉपर प्लांट के बंद होने के बाद से भारत का तांबा आयात बढ़ गया है। यह प्लांट लगभग 400,000 टन तांबा बनाता था।

सैलरी थी सिक्योरिटी गार्ड के बराबर...नौकरी छोड़ लगाया दिमाग, आज खड़ी कर दी 10 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के बक्सर जिले के अजय राय ने डिजिटल मार्केटिंग में सफलता हासिल की है। उन्होंने साबित किया है कि बिहार के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अजय ने रिसर्च डेवलपमेंट में महारत हासिल की। अब वह युवाओं को नौकरी दे रहे हैं। उनकी कंपनी कई देशों में फैली हुई है। अजय ने 2017 में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद कुछ समय तक नौकरी की। सैलरी इतनी कम थी कि उन्होंने बाद में अपना व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया। इस फैसले से उनके पिता नाराज भी थे। लेकिन, आज अजय अपनी सफलता से पूरे परिवार को गौरवान्वित कर रहे हैं। आइए, यहां अजय राय की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कंप्यूटर साइंस में बीटेक- अजय राय बक्सर जिले के अरेला गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता व्यास देव राय दिल्ली में एक सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। अजय की शुरुआती शिक्षा दिल्ली में ही हुई। उन्होंने 2013 में बोर्ड की परीक्षा पास की। फिर पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी से 2017 में कंप्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री हासिल की। डिग्री हासिल करने के बाद अजय राय को एक

कंपनी में 15,000 रुपये की नौकरी मिली। उन्होंने लगभग 2 साल तक नौकरी की। लेकिन, उन्हें लगा कि वह नौकरी उनके लिए सही नहीं है। वह कुछ अलग करना चाहते थे। कम सैलरी से भी वह बहुत असंतुष्ट थे।

पिता बहुत हुए नाराज- अजय राय ने जब नौकरी छोडने का फैसला लिया तो उनके पिता व्यास देव राय बहुत नाराज हुए। उन्होंने 6 महीने तक अजय से बात नहीं की। परिवार के अन्य सदस्य भी अजय के इस फैसले से खुश नहीं थे। उन्हें डर था कि कहीं अजय का फैसला गलत न हो जाए। पिता की इस नाराजगी का कारण यह था कि वह मध्यम वर्गीय परिवार से थे। बहुत मेहनत से बच्चों को पढ़ाया लिखाया था। उन्हें लगा कि नौकरी छोड़ने के बाद अजय कुछ नहीं कर पाएंगे।

2020 में शुरू की अपनी कंपनी- 2020 में अजय राय ने अपनी कंपनी यूपीकोच शुरू की। कंपनी बनाने के बाद उन्होंने बहुत मेहनत की। अजय ने विदेश के क्लाइंट से संपर्क साधना शुरू किया। पहले अजय बाइक से ड्यूटी जाते थे, लेकिन बाद में बस से जाना शुरू किया। बस में जो समय मिलता था, उस दौरान वह अपना काम करते थे। इस तरह वह हर दिन 3 घंटे का समय काम के लिए निकाल लेते थे। अजय राय ऑफिस में अपने सीनियर के पास बैठते थे और रिसर्च डेवलपमेंट का काम सीखते थे। बस यात्रा के दौरान वह फोन, मैसेज और सोशल मीडिया पर क्लाइंट को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते थे। धीरे-धीरे उन्हें काम मिलना शुरू हुआ। इसके बाद उन्होंने दुबई और कोलंबिया में ऑफिस खोले।

अब करोड़ों का कारोबार

अजय राय ने जिस कॉन्सेप्ट पर काम करना शुरू किया, वह बिल्कुल अलग था। विदेश में बिजनेस कोच का कॉन्सेप्ट बहुत लोकप्रिय है। कोच के जरिए लोग अपनी समस्याओं का समाधान करते हैं। अगर आपके साथ पारिवारिक समस्या है तो उसका समाधान भी कोच करेंगे। अगर शादी करनी है तो उसके लिए भी कोच उपलब्ध हैं। अगर बिजनेस करना है तो आप कोच से संपर्क कर सकते हैं। अजय ने कोच के लिए ब्रांडिंग का काम शुरू किया। आज की तारीख में 15-16 देशों में अजय राय की कंपनी के क्लाइंट हैं। अजय राय की एक और कंपनी है जिसका नाम ट्रैफिक एक्सपर्ट एलसीसी है। इस कंपनी का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है। यह कंपनी गूगल ट्रैफिक मामलों को देखती है। इस कंपनी में अजय राय के साथ एक और सहयोगी हैं जो पार्टनरशिप में काम करते हैं। अजय राय ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर 50 से अधिक लोगों को रोजगार दे रखा है। अजय राय की कंपनी का टर्नओवर 10 करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है।

नारायणमूर्ति के 17 महीने के पोते ने कमाए 3.3 करोड़ रुपये, कुल संपत्ति जानकर हैरान रह जाएंगे

बंगलूरू , एजेंसी। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के पोते एकाग्रह रोहन मूर्ति ने महज 17 महीने की उम्र में 3.3 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। दरअसल ये कमाई इंफोसिस के डिविडेंड से हुई है। एकाग्रह रोहन मूर्ति, नारायणमूर्ति और सुधा मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति के बेटे हैं। कुछ समय पहले ही नारायण मूर्ति ने इंफोसिस के 15 लाख शेयर एकाग्रह के नाम किए थे। अब उन्हीं शेयर पर यह 3.3 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला है।

एकाग्रह 240 करोड़ रुपये के मालिक- एकाग्रह नारायण मूर्ति भारत के सबसे युवा करोड़पतियों में से एक हैं। नारायण मूर्ति ने पोते एकाग्रह को बीते दिनों इंफोसिस के 15 लाख शेयर बतौर उपहार दिए थे। जिसके बाद एकाग्रह के पास कंपनी की 0.04 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जिस वक्त शेयर उपहार स्वरूप दिए गए थे, उस वक्त उनकी कीमत करीब 240 करोड़ रुपये थी। गुरुवार को इंफोसिस ने 22 प्रतिशत डिविडेंड का एलान किया। चूंकि एकाग्रह के पास 15 लाख शेयर हैं तो उन्हें डिविडेंड के तौर पर 3.3 करोड़ रुपये मिले। इस तरह एकाग्रह अब तक अपने शेयर से कुल 10.65 करोड़ रुपये का डिविडेंट कमा चुके हैं। इससे पहले एकाग्रह को डिविडेंट के तौर पर 7.35 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

इंफोसिस को चौथी तिमाही में मुनाफा घटा- देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस का चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घटकर 7033 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का राजस्व 7.92 प्रतिशत बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस ने चौथी तिमाही में कंपनी में 199 कर्मचारियों को नौकरी पर रखा।

फिर लय में आ रहे हैं रोहित जल्दी ही खेलेंगे बड़ी पारी : मार्क बाउचर

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा आईपीएल में लय में लौट रहे हैं और जल्दी ही बड़ी पारी खेलेंगे। रोहित इस सत्र में छह मैचों में अर्धशतक नहीं बना सके। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बृहस्पतिवार को 26 रन का स्कोर उनका सर्वोच्च स्कोर है। मुंबई इंडियंस के पूर्व मुख्य कोच बाउचर ने कहा, 'हमने इस मैच में रोहित शर्मा की शैली के बड़े छक्के देखे। मुझे उसके तेवर पसंद आए। उसने गेंदबाजों पर दबाव बनाया और रन बनाने के मौके तलाशे। वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेगा। वहीं नौ गेंद में 21 रन बनाने वाले मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या के बारे में उन्होंने कहा, 'हार्दिक पांड्या दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौलाओं में से है। जब वह अच्छा खेलता है तो टीम जीतती है। अब वह सिर्फ पावरप्ले में ही नहीं बल्कि बीच के ओवरों में भी गेंदबाजी कर रहा है और विकेट भी ले रहा है। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा। बाउचर ने विल जैक्स के बारे में कहा, 'वह दबाव में लग रहा है और उस तरह से प्रदर्शन नहीं रहा है, जैसा वह करना चाहता होगा। लेकिन वह शानदार खिलाड़ी है और जबर्दस्त हरफनमौला है। उसने कुछ अहम विकेट लिए जिससे बतौर बल्लेबाज भी उसका आत्मविश्वास बढ़ा है।

हार्दिक के बारे में बात यह है कि वह कभी हार नहीं मानते: जडेजा

मुंबई, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा कि मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की एक बात जो उन्हें बहुत पसंद है वह उनका कभी हार न मानने वाला रवैया और हर पहलू में टीम का नेतृत्व करने की इच्छा। पिछले सप्ताह तक एमआई का अभियान लड़खड़ा रहा था, लेकिन पांड्या के नेतृत्व में वे अब दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद पर लगातार जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। पांड्या खुद अब छह मैचों में 11 विकेट लेकर आईपीएल 2025 में कुलदीप यादव, खलील अहमद और शार्दुल ठाकुर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। जडेजा ने कहा, हार्दिक पांड्या एक किरदार हैं, और वह आगे से नेतृत्व करते हैं, चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो, फील्डिंग हो या फिर मैदान के बाहर। वह हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। उनके बारे में एक बात यह है कि वह कभी हार नहीं मानते। पिछला साल उनके लिए अच्छा नहीं रहा, लेकिन इस साल शुरुआत में अच्छे नतीजे न मिलने के बावजूद, वह अपनी शैली पर कायम हैं। उन्होंने यह भी महसूस किया कि एमआई के अभियान में बदलाव अरुण जेटली स्टेडियम में ष्टष्ट पर मिली रोमांचक 12 रन की जीत से प्रेरित था। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से, बदलाव दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आया। वह मैच हार गया था; ज्यादातर टीमें हार मान लेतीं। लेकिन मुंबई इंडियंस ने वापसी की – और यही हार्दिक पांड्या हैं। जडेजा ने कहा, यह वह खेल था जिसने शायद उनके सीजन को बदल दिया। आज रात (इस खेल को जीतना) एक बोनस था। यह एक आरामदायक जीत थी, लेकिन दिल्ली के खेल ने दिखाया कि एमआई और हार्दिक किस चीज से बने हैं। जब हार्दिक पांड्या मैदान में आते हैं, तब भी जब टीम को 10, 12, 15 रन प्रति ओवर की जरूरत होती है, तब भी आपको लगता है कि उनके पास क्रीज पर बेहतर मौका है।

पेरिस में पदक नहीं जीत पाने का अफसोस: निकहत

लखनऊ, एजेंसी। निकहत लखनऊ में जारी संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचीं और उन्होंने बताया कि भविष्य के लिए उनकी तैयारियां कैसी चल रही हैं और पेरिस ओलंपिक की निराशा को कामयाबी की ओर मोड़ना चाहती हैं। दो बार की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता भारतीय महिला मुक्केबाज निकहत जरीन ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में मिली निराशा के बाद से अब तक एक भी बाउट नहीं लड़ी है। निकहत लखनऊ में जारी संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचीं और उन्होंने बताया कि भविष्य के लिए उनकी तैयारियां कैसी चल रही हैं और पेरिस ओलंपिक की निराशा को कामयाबी की ओर मोड़ना चाहती हैं।

निकहत ने संवाद कार्यक्रम में खिलाड़ियों की राह, आसान या मुश्किल सत्र में लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंद्र सिंह भी मौजूद थे। भविष्य के कार्यक्रम के बारे में पूछे जाने पर निकहत ने कहा, मेरा सपना रहा है ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतना। 2024 पेरिस ओलंपिक में मैं ये पूरा नहीं कर पाई। ये मेरे लिए एक निराशा रहेगी, लेकिन मैं इस निराशा को कामयाबी की ओर मोड़ना चाहती हूं। मैंने तैयारी शुरू कर दी है और अभी मेरा पूरा ध्यान लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर है। पेरिस ओलंपिक के बाद से मैंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। जल्द ही मैं प्रतिस्पर्धी सर्किट में उतरूंगी। मेरा पहला ध्यान तो सितंबर में होने वाले विश्व चैंपियनशिप पर है। वहां मैं अपने खिताब का बचाव करना चाहूंगी।

गिल की टीम में फिलिप्स की जगह शामिल हुआ 75 लाख सैलरी वाला ऑलराउंडर

टी-20 में बनाए हैं 4449 रन, लिए हैं 91 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को आईपीएल के इस सीजन में बड़ा झटका लगा था जब ग्लेन फिलिप्स कमर की चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, लेकिन अब इस टीम में उनकी जगह श्रीलंकाई ऑलराउंडर दासुन शनाका को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया गया है। शनाका अब गुजरात के लिए सीजन के बचे हुए मैचों में खेलते हुए नजर आएंगे। ग्लेन फिलिप्स अपनी इंजरी के बाद स्वदेश वापस लौट चुके हैं।गुजरात ने ग्लेन फिलिप्स को इस सीजन के लिए 2 करोड़ की बेस प्राइस पर खरीदा था, लेकिन एक मैच में फील्डिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी और फिर वो मैदान से बाहर चले गए थे। बाद में पता चला की उनकी कमर में गंभीर चोट है और वो इस टीम के लिए बाकी के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वहीं दूसरी तरफ दासुन शनाका को साल 2023 में गुजरात टीम का हिस्सा बनाया गया था और वो इस सीजन में सिर्फ 3 ही मैच खेल पाए थे। अब उनकी फिर से गुजरात टीम में वापसी हुई है। शनाका को गुजरात फ्रेंचाईजी ने 75 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा है।श्रीलंका के 33 साल के क्रिकेटर दासुन शनाका दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और इसी हाथ से मध्यमगति की तेज गेंदबाजी भी करते हैं। उनके आने से गुजरात को एक और ऑलराउंडर मिल गया है। दासुन के टी20 क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक कुल 243 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 3 शतक समेत 142.45 की स्ट्राइक रेट के साथ 4449 रन बनाए हैं। टी20 में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 131 रन है जबकि इतने ही मैचों में उन्होंने 91 विकेट भी झटके हैं। दासुन शनाका का इस प्रारूप में बेस्ट प्रदर्शन 16 रन देकर 4 विकेट रहा है। आपको बता दें कि गुजरात ने इस लीग में अब तक 6 मैच खेले हैं जिसमें इस टीम को 4 मैचों में जीत मिली है जबकि 2 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

श्रीयंका पहली बार विश्व कप फाइनलिस्ट की सूची में

लीमा, एजेंसी। पेरिस ओलंपियन श्रीयंका सदांगी इस दोहरे चरण वाले दक्षिण अमेरिकी प्रवास पर पहली बार व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल के लिए कट बनाने वाली नवीनतम भारतीय निशानेबाज बन गईं, उन्होंने चल रहे अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन (3पी) स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीयंका अंतत: आठवें स्थान पर रहीं, स्टैंडिंग पोजिशन राउंड के 10वें शॉट के बाद बाहर हो गईं, जो 45

शॉट के फाइनल का 40वां शॉट था। पेरिस रजत पदक विजेता यूएसए की सेगेन मैडालेना ने स्वर्ण पदक जीता। सेगेन के प्रयास ने यूएसए को तीन स्वर्ण और छह पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन के अंत में भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर था।भारतीय निशानेबाजों के लिए कुल मिलाकर चुनौतीपूर्ण दिन रहा, उनमें से कोई भी पुरुष 3पी फाइनल में नहीं पहुंच पाया और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा में क्वालीफाइंग के पहले दौर के बाद भी उन्हें बहुत कुछ करना था।

सौरव कोठारी ने हासिल की खास उपलब्धि, पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन बने

नई दिल्ली, एजेंसी। कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने। कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी सौरव कोठारी ने आयरलैंड के कार्लो में कई बार के विजेता पंकज आडवाणी को फाइनल में हराकर 2025 आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीत लिया। क्यू स्पोर्ट्स की दुनिया ने बुधवार को स्नूकर और बिलियर्ड्स आयरलैंड (एसबीआई) अकादमी में प्रतिष्ठित खिताब के लिए भारत के दो बेहतरीन खिलाड़ियों- कोठारी और आडवाणी के बीच रोमांचक मुकाबला देखा। कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने। कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। कोठारी ने 119 और 112 के ब्रेक भी लगाए। इस जीत से कोठारी ने पहला ऐतिहासिक आईबीएसएफ विश्व खिताब (टाइम्ड' प्रारूप) अपने नाम किया।

स्पर्स ने फ्रैंकफर्ट को हराकर यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया

बर्लिन, एजेंसी। डोमिनिक सोलंके की पहली हाफ की पेनल्टी निर्णायक साबित हुई, क्योंकि टोटेनहम हॉटस्पर ने इंट्राच फ्रैंकफर्ट पर 1-0 (कुल 2-1) की जीत के साथ यूईएफए यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बनाई। लंदन में 1-1 की बराबरी से उत्साहित फ्रैंकफर्ट ने शानदार शुरुआत की। ह्यूगो एकिटिके ने शुरुआत में ही गोल करने का प्रयास किया, जबकि मारियो गोट्ज ने एक आशाजनक प्रयास किया, जो चूक गया। हालांकि, मेजबान टीम को 17वें मिनट में झटका लगा, जब गोट्ज जांघ की समस्या के कारण लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए, जिससे उन्हें जल्दी ही रणनीति बदलनी पड़ी। फ्रैंकफर्ट ने नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन स्पर्स के खेल में आगे बढ़ने के साथ ही वह बढ़त हासिल करने में विफल रहा। जेम्स मैडिसन ने एक शॉट बचाया, लेकिन कुछ मिनट बाद गोलकीपर कौआ सैंटोस द्वारा गिराए जाने पर पेनल्टी जीत ली। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोलनके ने ब्रेक से ठीक पहले स्पॉट से गोल किया। फ्रैंकफर्ट ने खेल फिर से शुरू होने के बाद बढ़त हासिल की।

5 मैच हारने वाली हैदराबाद की टीम प्लेऑफ में पहुंचेगी, ये है समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 17 अप्रैल की शाम मिली हार, आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद की 5वीं हार रही. मतलब अब तक खेले 7 मैचों में से 5 मुकाबले एसआरएचहार चुकी है. मगर प्लेऑफ में पहुंचने का मौका उसके पास अब भी है. 5 मैच हारने के बाद भी आईपीएल में ऑरेंज आर्मी के नाम से मशहूर ये टीम टॉप फोर का टिकट कटा सकती है. वो क्रिकेट में कहावत है ना, जब तक आखिरी गेंद पड़ ना जाए, तब तक गेम ओवर नहीं समझो. कुछ ऐसा ही किस्सा सनराइजर्स हैदराबाद का भी है. आईपीएल 2025 में खेले पहले 7 में से 5 मैच तो वो हार चुके हैं. मगर बाकी के 7 मुकाबले अभी बचे हैं, जो उसे प्लेऑफ में पहुंचा सकते हैं. आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज पर सभी टीमों को 14-14 मुकाबले खेलने हैं. उसमें से 7 तकरीबन सभी ने खेल लिए हैं. पहले 7 मैचों में से 5 हार के बाद पॉइंट्स टेबल में सनराइजर्स हैदराबाद की हालत पतली है. 10 टीमों के दंगल वाले इस लीग में वो फिलहाल 9वें नंबर पर है. मगर उसके बाद टॉप फोर में पहुंचने का रास्ता हमेशा खुला है. अब सवाल है कि वहां तक वो पहुंचेंगे कैसे? सनराइजर्स हैदराबाद को टॉप फोर में जाने के लिए बाकी बचे हुए अपने 7 मैचों में कोशिश तो सभी जीतने की करनी होगी.मगर ऐसा नहीं हुआ तो उन्हें कम से कम 7 में से 6 मैच जरूर जीतने होंगे. उसके बिना उनका काम नहीं चलेगा. पहले 7 मैच में से 2 जीतकर उनके खाते में 4 अंक हैं. वहीं अगले 7 मैच में से 6 जीतने के बाद ही उनके 12 अंक होंगे, जिससे कुल जमां करने पर उनके 16 अंक होंगे.

प्रधानमंत्री ने की वंदना कटारिया के करियर की सराहना, बोले- नई पारी के लिए शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 32 वर्षीय पूर्व स्ट्राइकर वंदना ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉकी स्टार वंदना कटारिया के खेल में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि अपने शानदार करियर में 320 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलना उनके कौशल और नेतृत्व का प्रमाण है जिसने भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी कटारिया ने इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास की घोषणा की जिससे उनके 15 साल के करियर का अंत हो गया।

इस 32 वर्षीय स्ट्राइकर ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर साझा किए गए पत्र में लिखा, भारतीय महिला हॉकी टीम की एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर उपलब्धियों से भरे शानदार करियर की बधाई और जीवन की एक नई पारी शुरू करने के लिए आपको हार्दिक शुभकामनाएं। अपने खेल से देशवासियों को गर्व के अनेक अवसर देते हुए आपने विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश के तिरंगे को ऊंचा रखने में बड़ा योगदान दिया। हरिद्वार के रोशनाबाद में जन्मी कटारिया का जन्म साधारण पृष्ठभूमि से हुआ था। उनके पिता भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) में तकनीशियन के रूप में काम करते थे। उन्होंने जाति-आधारित और लिंग-आधारित गालियों के साथ-साथ खराब स्वास्थ्य और अवसाद से जूझते हुए भारतीय

हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी बनने के लिए संघर्ष किया। प्रधानमंत्री ने कहा, एक साधारण पृष्ठभूमि से आगे आकर अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता से हॉकी जगत में एक विशेष पहचान बनाने तक की आपकी यात्रा उल्लेखनीय है। भारतीय महिला हॉकी इतिहास की सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनना आपकी विशिष्ट क्षमताओं का परिचायक है। एक कप्तान के तौर पर आपकी नेतृत्व क्षमता व टीम भावना सराहनीय रही और हॉकी को नई ऊंचाईयों पर ले जाने में आपने अहम भूमिका निभायी।

उन्होंने लिखा, देश का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में आपके उत्साह और टीम की आवश्यकता के अनुरुप खेल में विविधता को सराहा जाता रहा है। जूनियर महिला विश्व कप में भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाना हो या महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में सोने का तमगा जीतना या फिर एफआईएच महिला नेशंस कप में स्वर्ण, आपका करियर ऐसी अनेक सफलताओं से भरा हुआ है। कटारिया ओलंपिक में हैट्रिक बनाने वाली पहली और एकमात्र भारतीय महिला हैं। पीएम मोदी ने लिखा, आपके करियर में कई ऐसे मौके आए हैं जो प्रशंसकों के जेहन में हमेशा ताजा रहेंगे। इनमें से एक 2020 तोक्यो ओलंपिक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आपकी हैट्रिक भी शामिल है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उन्होंने लिखा, एक खिलाड़ी के रूप में करोड़ों खेल प्रेमियों की उम्मीदों पर खरा उतरना और स्वयं को निरंतर निखारते रहना एक बड़ी चुनौती होती है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास के बाद जब आप पीछे मुड़कर अपने करियर को देखेंगी तो निश्चय ही आपको यह अनुभूति होगी कि आपने अपने परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के मस्तक को ऊंचा करने कार्य किया है।

पीरियड्स के बारे में अभी भी शर्म और संकोच के साथ की जाती है बात: सामंथा

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने पीरियड्स के बारे में खुलकर बात की। बातचीत में उन्होंने कहा कि पीरियड्स के बारे में बातचीत अभी भी शर्म, फुसफुसाहट और संकोच के साथ की जाती है। सामंथा ने बताया, हम महिलाओं ने बहुत तरक्की कर ली है, बहुत आगे आ गए हैं। फिर भी पीरियड्स के बारे में बात करने की बारी आती है तो अभी भी चुप्पी, फुसफुसाहट और शर्म, संकोच के साथ बात की जाती है। अभिनेत्री ने अपने पॉडकास्ट टेक20 के एक एपिसोड में न्यूट्रिशनिस्ट राशि चौधरी से पीरियड्स, साइकिल सिंकिंग, एंडोमेट्रियोसिस और महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं पर बात की। उन्होंने बताया, राशि चौधरी से बात करके मुझे याद पता चला कि इन पुरानी धारणाओं को तोड़ना कितना महत्वपूर्ण है। हमारे साइकल मजबूत हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे जीवन को पुष्ट करते हैं। यह ऐसा कुछ नहीं है जिस पर शर्मिंदा होना चाहिए या छिपाना चाहिए या, उस मामले को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पॉडकास्ट के एक एपिसोड में सामंथा ने अपने शरीर, अपने रिश्ते, एंडोमेट्रियोसिस जैसी दुर्बल करने वाली बीमारी और एक महिला होने के नाते आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। पॉडकास्ट में सामंथा ने कहा, पीरियड्स साइकल हमारे मन और शरीर को कैसे प्रभावित करता है, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें हर गुजरते साल के साथ लगातार सीखते रहना चाहिए। राशि, अपने अनुभव और अपने ज्ञान की गहराई के साथ चीजों को समझाने का एक बहुत ही स्पष्ट तरीका रखती हैं और मुझे खुशी है कि हम साथ मिलकर इस तरह की अच्छी बातचीत कर पाए जो सही मायने में समझने के लिए जरूरी है। फिल्मों की बात करें तो, सामंथा अपकमिंग फिल्म शुभम के साथ निर्माता की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। सामंथा ने 7 अप्रैल को अपने पहले प्रोडक्शन का टीजर शेयर किया था। उन्होंने लिखा, हमारे प्यार से किया गया छोटा सा काम आपके सामने पेश है। बड़े सपनों वाली एक छोटी सी टीम! हमने इस यात्रा और साथ मिलकर जो कुछ भी बनाया है, उसके लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हैं। हम आशा करते हैं कि आपको हमारी फिल्म पसंद आएगी।

बेहतरीन अभिनेता हैं रणबीर कपूर: इमरान हाशमी

अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच इमरान हाशमी ने बात की। उन्होंने बॉलीवुड में उभरती प्रतिभाओं के बारे में खुलकर बात की और रणबीर कपूर को उनकी जनरेशन का बेस्ट स्टार बताया। उन्हें मौजूदा पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक बताते हुए हाशमी ने 'एनिमल' में रणबीर के अभिनय की तारीफ की। रणबीर की अभिनय क्षमता की तारीफ करते हुए इमरान ने कहा, मैं सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा- यह शोर से भरा एक इको चैंबर है। इसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। लेकिन रणबीर कपूर एक ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी मैं वाकई प्रशंसा करता हूं। मुझे एनिमल में उनका अभिनय पसंद आया। कई युवा अभिनेता बेहतरीन काम कर रहे हैं और स्क्रीन पर नए नजरिए को ला रहे हैं। संदीप रेड्डी वांगा की एक्शन-थ्रिलर में रणबीर ने रणविजय सिंह की भूमिका निभाई, जो अपने पिता की रक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़ा रहता है। जब उसके पिता की हत्या का प्रयास किया जाता है तो दुश्मनों से लड़ने के लिए वह आगे आता है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ अभिनेता बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इमरान के लेटेस्ट प्रोजेक्ट ग्राउंड जीरो की बात करें तो, फिल्म में वह बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जिन्होंने गाजी बाबा को मारने के लिए ऑपरेशन को लीड किया था। इस मिशन को पिछले 50 वर्षों में बीएसएफ के बेस्ट ऑपरेशन के रूप में जाना जाता है।

फिल्म ग्राउंड जीरो में दुबे की भूमिका को लेकर इमरान हाशमी ने बताया, जब कोई अभिनेता इस तरह की भूमिका निभाता है, तो हमेशा एक शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक पहलू शामिल होता है। शारीरिक रूप से मुझे एक अनुशासित बॉडी लैंग्वेज अपनानी पड़ी। जब आप एक कमांडिंग ऑफिसर की भूमिका निभा रहे होते हैं, तो व्यवहार महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, मुझे अपने शरीर पर भी काम करना पड़ा- वेट ट्रेनिंग, आहार में बदलाव, कैलोरी में वृद्धि- उनकी जनरेशन के बेस्ट स्टार भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से, मैंने बीएसएफ अधिकारियों से बात की और उनके हाव भाव को समझने की कोशिश की, ताकि मैं ऑपरेशन के दौरान उनकी मानसिक स्थिति, उनके परिवार की स्थिति और इस तरह के हाई रिस्क वाले पेशे से होने वाले भावनात्मक तनाव को समझ सकूं।

हजारों ख्वाहिशें ऐसी के 20 साल पूरे, चित्रांगदा सिंह ने बताया, कैसी थी शूटिंग के वक्त हालत

सुधीर मिश्रा की फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी के बुधवार को रिलीज होने के 20 साल पूरे हो गए। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिनेमा की दुनिया से परिचित कराया था।

सेट पर अपने पहले दिन को याद करते हुए, चित्रांगदा ने एक दिल छू लेने वाला वाकया शेयर किया। उन्होंने कहा, पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती। मुझे लगता है कि मैंने दो या तीन टेक में शॉट ओके कर दिया। सुधीर मिश्रा ने बस इतना ही कहा, चित्रांगदा, फिल्मों में आपका स्वागत है। मुझे आज भी वह दिन बहुत स्पष्ट रूप से याद है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी कहानी और मजबूत अभिनय के लिए सराहा गया। गीता के रूप में चित्रांगदा के चित्रण ने एक स्थायी छाप छोड़ी और दो दशक बाद भी इसकी सफलता का जश्न मनाया गया। भारतीय इमरजेंसी की पृष्ठभूमि पर आधारित, हजारों ख्वाहिशें ऐसी 1970 के दशक के तीन युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जब भारत बड़े पैमाने पर सामाजिक और राजनीतिक बदलावों से गुजर रहा था। फिल्म का टाइटल उर्दू शायर मिर्जा गालिब के शेर से लिया गया है।

चित्रांगदा अपनी पहली फिल्म में केके मेनन और शाइनी आहूजा के साथ नजर आई थीं। हाल ही में, चित्रांगदा को नेटफ्लिक्स सीरीज खाकी- द बंगाल चैप्टर में देखा गया था, जिसमें वह निबेदिता बसाक की भूमिका निभा रही हैं। इसके बाद, वह अक्षय कुमार के साथ बहुप्रतीक्षित सीक्वल हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। इसमें चित्रांगदा के साथ रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा और चंकी पांडे जैसे एक्टर्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट बैनर के तहत साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 का निर्माण किया है।

अर्जुन कपूर हैं TVF के जबरदस्त फैन, दिल खोलकर की कंटेंट की तारीफ

आज के दौर के सबसे पसंदीदा कंटेंट बनाने वालों में से एक है। उन्होंने अपने मज़ेदार और दिल से जुड़े शो के ज़रिए लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। ज्ञड्ड्स्न वो नाम है जो ऑडियंस की सोच और पसंद को बखूबी समझता है, और शायद यही वजह है कि उनके शो आज की पीढ़ी के पॉप कल्चर का अहम हिस्सा बन चुके हैं। जहां एक तरफ ज्ञड्ड्स्न और उनकी कहानी कहने की स्टाइल को चारों तरफ सराहा गया है, वहीं एक्टर अर्जुन कपूर भी टीवीएफ और उनके शोज़ की तारीफ करते नज़र आए। अर्जुन कपूर खुद TVF के बड़े फैन लगते हैं। हाल ही के एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें TVF एस्पिरेंट्स बेहद पसंद है और वो शो के एक्टर्स से मिल भी चुके हैं। अर्जुन ने आगे कहा, वो लोग हर वक्त अपनी मार्केटिंग नहीं करते, शायद इसीलिए हमें ये एहसास नहीं होता कि उन्होंने इतने जबरदस्त शोज़ बनाए हैं। अर्जुन कपूर ने TVF पिचर्स के लिए भी अपनी पसंद जाहिर की। उन्होंने कहा कि ये लोग अपनी असली ज़िंदगी के तजुर्बों से कहानियाँ गढ़ते हैं, और शायद यही वजह है कि इनके शोज़ इतने एंटरटेनिंग होते हैं।

अर्जुन ने ये भी कहा कि जब आपकी पहचान इतनी गहराई से जुड़ी हुई होती है, तो आपकी कहानी में एक अलग ही सच्चाई और असर दिखता है।

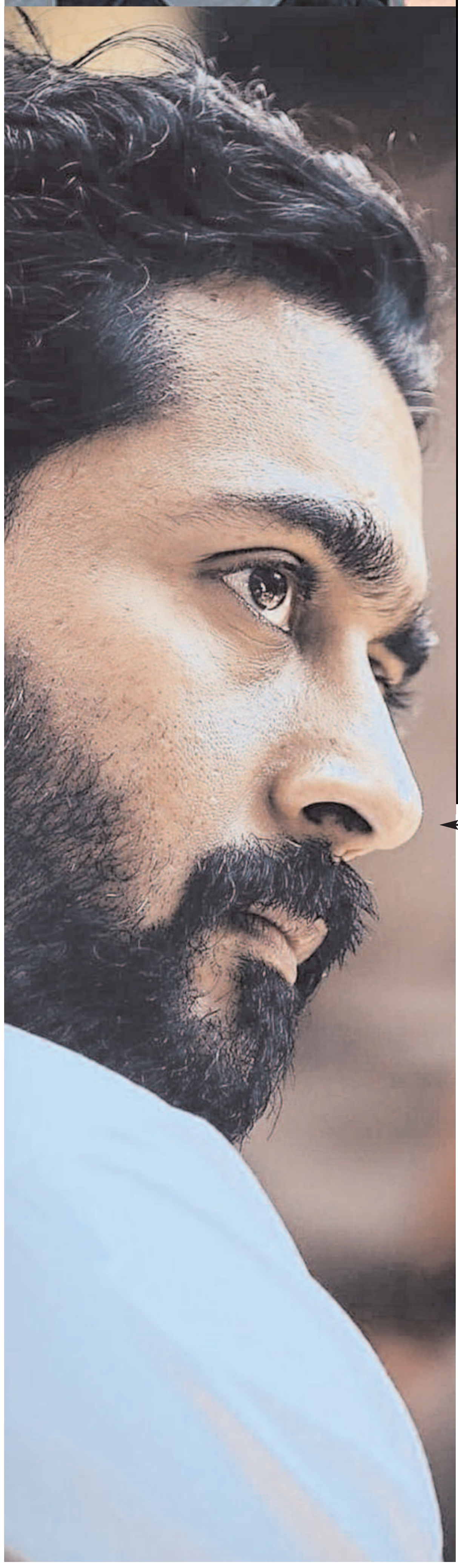

मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं निजी जीवन की अफवाहें: एआर रहमान

म्यूजिक कंपोजर, सिंगर एआर रहमान, अपने म्यूजिक कंसर्ट 'वंडरमेंट' की तैयारी में व्यस्त हैं। इस दौरान, उन्होंने बताया कि निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। इंटरव्यू में एआर रहमान ने वंडरमेंट टूर की तैयारी, संगीत में एआई के इस्तेमाल, अफवाहों और मानसिक स्थिति पर पड़ने वाले असर को लेकर खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि, संगीत के लिए मन की प्रसन्नता की आवश्यकता होती है, तो क्या आपके बारे में चलने वाली खबरें और अफवाहें आपको प्रभावित करती हैं? रहमान ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि अफवाहें असर डालती हैं और हर कलाकार इस स्थिति से गुजरता है। अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। परिस्थिति में फंसे होने की वजह से वे दुखी और प्रभावित होते हैं और उस स्थिति में भी उन्हें काम करना पड़ता है। उस स्थिति में भी उन्हें छैया छैया या हम्मा हम्मा जैसे गाने करने पड़ते हैं। गायक हो या कोई और उस स्थिति में आप एक अभिनेता की तरह बन जाते जाते हैं। आप अंदर से भले ही दुखी होते हैं, लेकिन आपको दिखाना होता है कि आप खुश हैं। रहमान से पूछा गया कि जब उनके बारे में कुछ अफवाहें सामने आती हैं तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने हल्के अंदाज में कहा, ऐसी बातों से असर पड़ता है, लेकिन मेरा मानना है कि यह जिंदगी का एक हिस्सा है। उतार-चढ़ाव जिंदगी में बने रहते हैं। एआर रहमान को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसमें सामने आया था कि रहमान बैंड की गिटारिस्ट रहीं मोहिनी डे के साथ रिलेशन में हैं। इस अफवाह से व्यथित रहमान ने एक बयान जारी किया था। उन्होंने नोटिस भी जारी किया था, जिसमें उन्होंने अपने बारे में अपमानजनक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही थी।

रेट्रो के बाद वादीवासल पर काम शुरू करेंगे सूर्या, जानिए कब होगी रिलीज

साउथ अभिनेता सूर्या की फिल्म वादीवासल की शूटिंग और इसकी रिलीज को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है, जिससे सुनने के बाद सूर्या के प्रशंसक थोड़े निराश जरूर हो जाएंगे। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित फिल्म रेट्रो 1 मई को रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में सूर्या और पूजा हेगड़े की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म के अलावा साउथ अभिनेता सूर्या के पास निर्देशक वेत्रिमारन की फिल्म वादीवासल भी है, जिसे लेकर नई जानकारी सामने आई है।

कब रिलीज होगी वादीवासल

123 डॉट कॉम के अनुसार, अभी तक सूर्या की फिल्म वादीवासल की शूटिंग शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन इस फिल्म के निर्देशक वेत्रिमारन ने फिल्म के एनिमेट्रॉनिक्स पर ज्यादा ध्यान देने के साथ ही इसके प्री-प्रोडक्शन पर भी काफी समय दे दिया है, जिसकी वजह से फिल्म की शूटिंग में देरी हो गई है। निर्माता कलैपुली एस. थानू के अनुसार, वह वादीवासल को 2026 की गर्मियों के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। यह फिल्म मई या फिर जून 2026 में रिलीज हो सकती है। वादीवासल तमिलनाडु के सबसे मशहूर पारंपरिक खेल जल्लीकट्टू पर आधारित है।

क्या नवाजुद्दीन पकड़ पाएंगे 1500 किलो सोना या मिलेगी मौत की सजा? कोस्टाओ का ट्रेलर रिलीज

नवाजुद्दीन की आगामी फिल्म कोस्टाओ का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में अभिनेता एक कस्टम अधिकारी की भूमिका में नजर आए हैं। जानते हैं यह कब और कहां स्ट्रीम होगी? नवाजुद्दीन की आगामी फिल्म कोस्टाओ का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह फिल्म 1990 के दशक के गोवा के एक निडर कस्टम अधिकारी की दिलचस्प कहानी है। फैंस काफी समय से नवाज की फिल्म का इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर के साथ निर्माताओं ने इसके प्रीमियर की डेट की भी घोषणा की है।क्या है ट्रेलर में? निर्माताओं द्वारा जारी किए गए ट्रेलर में नवाजुद्दीन एक जिद्दी कस्टम ऑफिसर की भूमिका में नजर आए हैं, जो आजाद भारत में सोने की सबसे बड़ी स्मगलिंग का खुलासा करना चाहते हैं। इस रैकेट में बहुत शक्तिशाली लोग शामिल हैं। अंदर के लोगों की मिलीभगत के चलते वह खुद जाल में फंस जाते हैं। उनके ऊपर हत्या का आरोप लग जाता है। इस बीच उनका परिवार भी कठिनाइयों का सामना करता है। नवाजुद्दीन 'रौतू का राज' के बाद एक बार फिर अधिकारी की भूमिका में दिखे हैं।